हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 80 | जौनपुर, शुक्रवार 15 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम मोदी ने की मंत्रियों के साथ बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले संसद में बड़े पैमाने पर सुरक्षा उल्लंघन पर चर्चा के लिए गुरुवार सुबह शीर्ष मंत्रियों के साथ बैठक में भाग लिया। इस बीच, सरकार ने संभावित खामियों की जांच के लिए एक पैनल का गठन किया। आपको बता दें कि बुधवार को दो लोगों ने लोकसभा में घुसपैठ कर दिया था। इसे संसद की सुरक्षा में बड़ी चूक मानी गई। सरकार ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा सुरक्षा उल्लंघन की घटना की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है और विपक्ष से इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करने को कहा। दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद एक बयान में, संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा, ष्हम सभी सहमत हैंष कि बुधवार की दुर्भाग्यपूर्ण घटना सांसदों की सुरक्षा से संबंधित एक गंभीर घटना थी। जोशी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घटना के बाद तुरंत सदन के नेताओं के साथ बैठक की और संसद की सुरक्षा को और मजबूत करने के सुझावों को सुना।

आजमगढ़ में गरजे सीएम योगी संबोधन के दौरान बोले ऐसा लगे नारा की दिल्ली तक पहुंचे आवाज

आजमगढ़ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन का शुभारंभ किया

आजमगढ़ (एजेन्सी)। सीएम योगी आदित्यनाथ का गुरुवार को आजमगढ़ पहुंचे। आजमगढ़ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन का शुभारंभ किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधन के दौरान कहा, कभी आजमगढ़ के नाम से कांपती थी पूरी दुनिया ऐसा लगे नारा की दिल्ली तक आवाज पहुंचे। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने संबोधन के दौरान उस समय कही जब उनके द्वारा लगाए गए नारे पर लोगों की धीमी आवाज रही। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि करीब दस वर्ष के अंदर देश में इतना परिवर्तन देखने को मिलेगा। आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बड़ा है। भारत संकल्प यात्रा के ऊपर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जिन लोगों को अभी तक नहीं मिल सका है, उन्हें उनका लाभ देने के लिए इस विकसित भारत यात्रा का आयोजन किया गया है। इसके लिए 536 वीडियो वाइन चल रही हैं। जो योजनाओं का लाभ पाने से वंचित लोगों का आवेदन कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएंगे। किसी ने नहीं सोचा था की चार करोड लोगों के घर बनेंगे। जिसमें 55 लाख घर सिर्फ उत्तर प्रदेश में बने हैं। 50 करोड लोगों का आयुष्मान कार्ड पूरे देश में बनाया गया है। जिसमें सिर्फ उत्तर प्रदेश में 10 करोड लोगों को इसका लाभ मिला है। अन्य योजना के तहत देश में 80 करोड लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है।

करोड़ों लोगों को प्रदेश में राशन मिल आजमगढ़ का भाग्योदय हुआ है कि भोजपुरी के एक अच्छे कलाकार को उन्होंने अपना सांसद चुना है तो जनपद में भी विकास दिखने लगा है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष तक प्रदेश की जनता को मुफ्त राशन दिया जाएगा। कहा कि आजमगढ़ में कई विकास के कार्य किया जा रहे हैं जिसने कभी सोचा तक नहीं था।

आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय बनाया जा रहा है, जिसका जनवरी 2024 में उद्घाटन किया जाएगा। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि आजमगढ़ में संगीत महाविद्यालय बनेगा। कभी किसी ने नहीं सोचा था कि आजमगढ़ में एयरपोर्ट बनेगा लेकिन हमारी डबल इंजन की सरकार ने इसे कर दिखाया। सीएम ने कहा कि सबसे बड़ी जाति गरीब जाति है, उसे हर योजना का लाभ मिलना चाहिए। कहा कि आजमगढ़ में अब आतंक नहीं बल्कि सुंदर स्वर लहरिया गूंजेंगी। 2047 में भारत को विकसित देश बनाने की मोदी की गारंटी है।

39 करोड़ से बनीं 20 सड़कों की सौगात देंगे पीएम, कई सड़कों का करेंगे लोकार्पण

वाराणसी (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय काशी प्रवास के दौरान जिले को एक हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं देंगे। इसमें जिले की 20 छोटी–बड़ी सड़कें भी शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड की 16, प्रांतीय खंड की एक और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) से बनाई गईं तीन सड़कें शामिल हैं। इनकी लागत 39 करोड़ रुपये है। बरकी में जनसभा के बाद वहीं से पीएम इनका वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा निर्माणाधीन पांच फोरलेन व एक सिक्सलेन सड़क का पीएम 17 दिसंबर को निरीक्षण भी कर सकते हैं। पीएम इन सड़कों का करेंगे लोकार्पण काशीपुर चौराहे से जगरदेवपुर मार्ग – 800 मीटर – 29.05 लाख। नाद नदी पर मंगारी–सिंधौरा मार्ग पर बॉक्स कल्वर्ट – 100 मीटर – 151.34 लाख। हिरामनपुर से पतिराजपुर मार्ग पर लघु सेतु व सड़क – 200 मीटर – 43.60 लाख। पिंडरा से कनकपुर मार्ग पर लघु सेतु व सड़क – 500 मीटर – 62.56 लाख। मंगारी सिंधौरा मार्ग पर रपटा पुल पर बाक्स कल्वर्ट – 450 मीटर – 230.33 पनवरिया से रतनपुर तक संपर्क मार्ग – 2.10 किमी – 79.28 लाख। हिरामनपुर से बजरंग नगर संपर्क मार्ग – 1.10 किमी – 37. 74 लाख। देवराई से रतनपुर तक संपर्क मार्ग – 1.62 किमी –109.45 लाख। नई कोट सड़क से कोर्रा तक पिच रोड – 1.22 किमी – 63.33 लाख। खालिसपुर में स्टेशन तक पिच रोड – 700 मीटर – 26.56 लाख। बरही नेवादा से कठिरांव तक संपर्क मार्ग – 1.70 किमी – 78.95 लाख। गजोखर से हिरामनपुर तक सड़क निर्माण – 3.17 किमी – 162.29 लाख। तारापुर चौराहे से सोनकर बस्ती तक सड़क निर्माण – 4.50 किमी – 220.49 लाख।

अनियमित आचरण के लिए 15 सांसद निलंबित

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद में अनियमित आचरणष के लिए एक राज्यसभा और 14 लोकसभा सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इस संख्या में निलंबित किए गए पांच कांग्रेस सांसद भी शामिल हैं। निलंबित किए गए संसद सदस्यों में मनिकम टैगोर, कनिमोझी, पीआर नटराजन, वीके श्रीकांतम, बेनी बहन, के सुब्रमण्यम, एसआर प्रतिभान, एस वेंकटेशन और मोहम्मद जावेद शामिल हैं। निलंबित किए गए सांसदों में नौ कांग्रेस से, दो सीपीएम से, दो डीएमके से और एक सीपीआई से हैं। तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। 15 सांसदों को सदन से निलंबित करने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि कल जो हुआ वह एक बड़ी सुरक्षा और खुफिया विफलता थी। हम चाहते हैं कि सरकार सदन को आकर बताए कि कल क्या हुआ और वे क्या कदम उठा रहे हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सर्वे के लिए दी अनुमति

हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष की दलीलें खारिज कर दी हैं, अदालत का यह फैसला ऐतिहासिक है

प्रयागराज (एजेन्सी)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि–ईदगाह प्रकरण को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि पहले कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने की अर्जी पर होगी सुनवाई होगी। इसके बाद याचिका की पोषणीयता पर विचार किया जाएगा। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद पक्ष की दलीलें खारिज कर दी हैं। अदालत का यह फैसला ऐतिहासिक है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने श्रीकृष्ण जन्म भूमि विवाद मामले में गुरुवार को आदेश देते हुए कहा कि पहले कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने की अर्जी पर होगी सुनवाई होगी। इसके बाद याचिका की पोषणीयता पर विचार किया जाएगा। कोर्ट अब 18 दिसंबर को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने के मामले में सुनवाई करेगी। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हमारे आवेदन को स्वीकार कर लिया है, जिसमें हमने एडवोकेट कमिश्नर द्वारा (शाही ईदगाह मस्जिद) के सर्वेक्षण की मांग की थी। 18 दिसंबर को इसकी रूपरेखा तय होगी। कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की दलीलें खारिज कर दी हैं। हमारी मांग थी कि शाही ईदगाह मस्जिद में हिंदू मंदिर के बहुत सारे निशान और प्रतीक चिह्न हैं। वास्तविक स्थिति जानने के लिए एक सर्वे की जरूरी है। उन्होंने अदालत के इस फैसले को ऐतिहासिक बताया है। इससे पहले जन्मभूमि–ईदगाह प्रकरण में हाईकोर्ट ने 16 नवंबर को हुई सुनवाई के बाद सभी 18 केसों से संबंधित वादकारी और प्रतिवादियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया था कि सेशन कोर्ट में दाखिल 18 वादों की फाइलों को हाईकोर्ट ने अपने अधीन सुनवाई के लिए ले रखा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि ईदगाह पक्ष जन्मभूमि की स्थापत्य कला के साथ खिलवाड़ कर सबूतों को नष्ट कर रहा है। इससे पहले ही साक्ष्य नष्ट कर दिए जाएं, हाईकोर्ट से मांग की जाएगी कि ज्ञानवापी की तर्ज पर जन्मभूमि का भी सर्वे कराने का आदेश देने की कोर्ट से अपील की जाएगी। शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा शहर में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर से सटी हुई है। 12 अक्तूबर 1968 को श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान ने शाही मस्जिद ईदगाह ट्रस्ट के साथ एक समझौता किया। समझौते में 13.37 एकड़ जमीन पर मंदिर और मस्जिद दोनों के बने रहने की बात है। पूरा विवाद इसी 13.37 एकड़ जमीन को लेकर है। इस जमीन में से 10.9 एकड़ जमीन श्रीकृष्ण जन्मस्थान और 2.5 एकड़ जमीन शाही ईदगाह मस्जिद के पास है।

स्मृति ईरानी बोलीं- मासिक धर्म बाधा नहीं, यह महिलाओं की जिंदगी का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला कर्मचारियों के लिए सवैतनिक अवकाश के विचार का विरोध करते हुए कहा है कि मासिक धर्म या मासिक चक्र एक महिला के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है और यह कोई बाधा नहीं है। वह सांसद मनोज कुमार झा के सवाल का जवाब दे रही थीं। राज्य सभा में सरकार द्वारा महिलाओं को सवेतन मासिक धर्म अवकाश देने को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा हुई। 13 दिसंबर को राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के मनोज कुमार झा ने स्मृति ईरानी से पीरियड पर सवाल करते हुए कहा था कि बिहार पीरियड लीव देने वाला पहला राज्य था। मनोज कुमार झा ने इसके साथ ही स्मृति ईरानी से सवाल करते हुए पूछा कि सरकार ने क्या प्रावधान किए हैं कि वो महिला कर्मचारियों को अनिवार्य तौर पर पेड पीरियड लीव दें? इसी सवाल के जवाब में महिला मंत्री ने कहा कि एक मासिक धर्म वाली महिला के रूप में, मैं कह सकती हूं कि मासिक धर्म और हमारा मासिक धर्म कोई बाधा नहीं है, यह एक महिला की जीवन यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा है। यह देखते हुए कि आज महिलाएं अधिक से अधिक आर्थिक अवसरों का विकल्प चुन रही हैं, हमें ऐसे मुद्दों का प्रस्ताव नहीं करना चाहिए जहां महिलाओं को किसी तरह समान अवसर से वंचित किया जाता है,।

तीन सप्ताह में दूसरी बार बढ़ी कीमत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली एनसीआर के लोगों को महंगाई का एक बार फिर से तगड़ा झटका लगा है। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाके यानी नोएडा और गाजियाबाद में गुरुवार की सुबह सीएनजी के दामों में इजाफा हो गया है। सीएनजी की नई कीमतें गुरुवार से ही लागू हो गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की माने तो दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में सीएनजी की कीमतों में घ1 प्रति किलो के हिसाब से इजाफा किया गया है। बता दें कि सीएनजी के दामों के बढ़ने के बाद एक बार ट्रांसपोर्टेशन और रोजमर्रा की चीजों में बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसा होने से आम जनता की जेब पर अतिरिक्त भार बढ़ेगा। गुरुवार को सीएनजी की कीमतों में आए बदलाव की बात नहीं डर के हिसाब से सीएनजी की कीमत 76.59 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है।

कांग्रेस और भाजपा ने बड़े सुरक्षा उल्लंघन के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहराया

कांग्रेस लगातार सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मां कर रही है जिनके जरिए घुसपैठ करने वालों का पास बना था

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दो घुसपैठियों द्वारा लोकसभा के अंदर हंगामा मचाने के एक दिन बाद, कांग्रेस और भाजपा ने बड़े सुरक्षा उल्लंघन के लिए एक–दूसरे को दोषी ठहराया। कांग्रेस लगातार सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मां कर रही है जिनके जरिए घुसपैठ करने वालों का पास बना था। एकजुट विपक्ष संसद में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के बयान पर भी अड़ा रहा और उनकी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। लोकसभा में सुरक्षा उल्लंघन की घटना को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा के लोकसभा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इसको लेकर फिलहाल एक एक्स पोस्ट लिखा है। उन्होंने लिखा कि ष्छक्। की पार्टियां दो मांग कर रही हैं। पहला कल संसद में हुई बेहद गंभीर और खघ्तरनाक सुरक्षा चूक पर दोनों सदनों में गृह मंत्री विस्तृत बयान दें और उसके बाद इसपर चर्चा हो। दूसरी मांग यह है कि घुसपैठ करने वालों को विजिटर पास दिलवाने वाले BJP सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा इन पूरी तरह से वैध और उचित मांगों को मानने से इंकार करने के कारण आज सुबह लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित हो गई। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मैं पूरी तरह से सरकार को दोषी मानता हूं। पिछली बार हमला हुआ था तो वे अंदर नहीं जा पाए लेकिन इस बार वे लोकसभा पहुंच गए। अगर हम अब भी चुप हैं तो हम हैं अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने संसद की सुरक्षा में चूक के मामले को लेकर बृहस्पतिवार को एक बैठक की और सरकार से आग्रह किया इस मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह विस्तृत बयान दें तथा दोनों सदनों में इस विषय पर चर्चा कराई जाए। विपक्षी दलों की यह भी मांग है कि लोकसभा की दर्शक दीर्घा से सदन में कूदने वाले व्यक्ति को पास दिलाने के लिए अनुशंसा करने वाले भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की जाए। लोकसभा में विपक्षी सदस्यों ने संसद सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को सरकार से जवाब की मांग करते हुए भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के करीब 15 मिनट बाद अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। संसद पर आतंकी हमले की बरसी के दिन सुरक्षा में चूक विषय पर चर्चा कराने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों ने बृहस्पतिवार को संसद में नारेबाजी और भारी हंगामा किया,।

कांग्रेस के 5 सांसद पूरे सत्र के लिए सस्पेंड, हंगामे के बाद स्पीकर ने की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। गुरूवार को बड़े पैमाने पर सुरक्षा उल्लंघन के मद्देनजर संसद में हंगामा होने के बाद कांग्रेस के पांच सांसदों को अनियंत्रित आचरण के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया है। कांग्रेस के जिन पांच लोकसभा सांसदों को निलंबित किया गया है उनमें टीएन प्रतापन, हिबी ईडन, एस जोथिमणि, राम्या हरिदास और डीन कुरियाकोस शामिल हैं। इन्हें अनियमित आचरण के लिए शेष सत्र के लिए निलंबित किया गया है। बुधवाक की सुरक्षा उल्लंघन की घटना पर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच लोकसभा दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विपक्षी सांसदों ने इस घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की भी मांग की। इसी दौरान कांग्रेस के इन सांसदों पर अनियंत्रित आचरण का आरोप लगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा में कहा कि हम सब सहमत हैं कि कल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना लोकसभा सदस्यों की सुरक्षा में गंभीर चूक थी और इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष के निर्देश पर उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर किसी भी सदस्य से राजनीति की अपेक्षा नहीं की जाती, हमें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करना होगा।

छत्तीसगढ़ में लगातार चौथे दिन भी नक्सली हमला

कांकेर/नई दिल्ली (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार को नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान की जान चली गई। यह दो दिनों में दूसरी मौत है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना परतापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सदाकटोला गांव के पास हुई, जब बीएसएफ और जिला पुलिस बल की एक संयुक्त टीम गश्त पर थी। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना परतापुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत सड़कटोला गांव के पास उस समय हुई जब बीएसएफ और जिला पुलिस का एक संयुक्त दल को गश्त कर रहा था। उन्होंने बताया कि नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में बीएसएफ के प्रधान आरक्षक अखिलेश राय (45) घायल हो गए।

स्मृति ईरानी के मासिक धर्म महिला की विकलांगता नहीं वाले बयान पर भड़के लोग

सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने स्मृति ईरानी के इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक औरत ही औरत की दुश्मन होती है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने हाल ही में संसद में महिलाओं के मासिक धर्म को लेकर एक बयान दिया। ईरानी ने कहा कि पीरियड के दौरान महिलाओं के लिए पेड लीव की कोई जरुरत नहीं हैं। यह महिलाओं के जीवन का हिस्सा है न की कोई बाधा। ऐसे में स्मृति ईरानी के इस बयान को जहां ज्यादातर लोगों ने समर्थन किया है वहीं कुछ लोग ऐसे हैं जो उनकी अलोचना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने स्मृति ईरानी के इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक औरत ही औरत की दुश्मन होती है। उन्होंने पीरियड में होने वाली तमाम दशा के बारे में बात करते हुए ये तर्क दिया। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला कर्मचारियों के लिए अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश के विचार पर अपना विरोध जताया है। राज्यसभा में सांसद मनोज कुमार झा के एक सवाल का जवाब देते हुए ईरानी ने कहा कि मासिक धर्म जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा है और इसे विशेष अवकाश प्रावधानों की आवश्यकता वाली बाधा के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, ष्एक मासिक धर्म वाली महिला के रूप में, मासिक धर्म और मासिक धर्म चक्र कोई बाधा नहीं है, यह महिलाओं की जीवन यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा है।ष यह चेतावनी देते हुए कि मासिक धर्म की छुट्टी से कार्यबल में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव हो सकता है, उन्होंने कहा, ष्हमें ऐसे मुद्दों का प्रस्ताव नहीं देना चाहिए जहां महिलाओं को समान अवसरों से वंचित किया जाता है, सिर्फ इसलिए कि जो कोई मासिक धर्म नहीं करता है उसका मासिक धर्म के प्रति एक विशेष दृष्टिकोण है। हालाँकि, मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व को स्वीकार करते हुए, ईरानी ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक मसौदा राष्ट्रीय नीति तैयार करने की घोषणा की। हितधारकों के सहयोग से विकसित की गई इस नीति का उद्देश्य पूरे देश में उचित मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जागरूकता और पहुंच में सुधार करना है। केंद्रीय मंत्री ने मौजूदा मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन को बढ़ावा देने (एमएचएम) योजना पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य 10 से 19 वर्ष की किशोर लड़कियों के लिए है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा समर्थित, यह योजना विभिन्न शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में ज्ञान बढ़ाने पर केंद्रित है। यह घोषणा संसद में पेश की गई एक रिपोर्ट के बाद हुई है।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की मेडिकल बेल 5 जनवरी तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सत्येन्द्र जैन की अंतरिम जमानत 8 जनवरी, 2024 तक बढ़ा दी है। इससे पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के लिए आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येन्द्र जैन की याचिका को सूचीबद्ध करने के मुद्दे पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। सीजेआई चंद्रचूड़ ने तब तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जब जैन का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने मामले का उल्लेख किया और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना के छुट्टी से लौटने तक न्यायमूर्ति त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध मामले की सुनवाई को स्थगित करने की मांग की। सिंघवी ने कहा कि यह मामला न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था। उन्होंने इसे ढाई घंटे तक सुना था. अब मामला न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी के समक्ष सूचीबद्ध है। हालाँकि, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने जवाब में कहा कि न्यायाधीश अपने सामने सूचीबद्ध मामले में क्या कर रहे हैं, उस पर मैं नियंत्रण नहीं रखूंगा।

सम्पादकीय

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बाद राजस्थान में भी चौंकाया

भाजपा ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बाद राजस्थान में भी सबको चौंका दिया। तमाम बुजुर्गों और सत्ता के मनीषी माने जाने वाले धुरन्धरों को किनारे कर नए चेहरों को सत्ता की बागडोर सौंप दी। राजनीतिक चेतावनियों और धमकियों को खीसे में डालकर नए चेहरों पर आगे की राजनीति मोदी की पहचान बन चुकी है। हाल में जीते तीन राज्यों की बात करें तो वे छत्तीसगढ़ में एक विष्णुदेव साय ढूँढकर लाए। उससे भी बड़ी खोज मध्यप्रदेश में मोहन यादव के रूप में की गई। कहा जाने लगा कि अब कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। हर राज्य में जो चार– छह नाम हमेशा चलते रहते हैं और मीडिया को भी उन्हीं नामों को उछाले रहने की आदत हो जाती है, उन सबसे एकदम भिन्न। बहुत दूर की कौड़ी। मोदी ही लाते रहे हैं। जैसे महाराष्ट्र में कभी फडनवीस लाए थे। जैसे हरियाणा में खट्टर लाए थे। गुजरात में भूपेन्द्र पटेल३ और अब राजस्थान में भी ले ही आए। भजन लाल शर्मा। किसी ने पहले नाम नहीं लिया था। पहली बार के विधायक। आखध्रि मुख्यमंत्री बना दिए गए। वैसे इस बार तीनों राज्यों में एक ही फार्मूला चला। तीनों मुख्यमंत्री उम्र में 60 से नीचे। तीनों संघ की पृष्ठभूमि से। ३और पहली बार तीनों राज्यों में दो– दो डिप्टी सीएम भी। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष उसी दिन तय। मप्र में तोमर और राजस्थान में देवनानी। छत्तीसगढ़ में हालाँकि रमन सिंह का नाम घोषित नहीं किया, लेकिन उन्हें कह दिया गया है। इसके पीछे एक ही दिन सभी कोनों को संतुष्ट करना और बाद के तमाम कयासों को विराम देना है। भाजपा नेतृत्व ने चौंकाने वाली अपनी परम्परा कधयम रखने के लिए भूल–भुलैया खूब बनाई। पहले मप्र में प्रह्लाद पटेल के घर सुरक्षा बढा दी गई। उनके घर भीड़ लगने लगी। पटेल साहब भी विधानसभा की सीढ़ियों पर जाकर मत्था टेक आए। मीडिया उनका नाम पक्का मानने लगा, लेकिन हुआ वही जो मोदी चाहते थे। यही भूल– भुलैया राजस्थान में भी क्रिएट की गई। केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के घर सुरक्षा बढा दी गई। मीडिया उनके पीछे भागने लगा। कहाँ तो दिल्ली तक की बात चली और मुख्यमंत्री निकाला सांगानेर से! सभी भौंचक। वसुंधरा राजे हों, शिवराज हों या रमन सिंह, सबको आखध्रि मानना ही पड़ा। हाल में जीते तीन राज्यों की बात करें तो वे छत्तीसगढ़ में एक विष्णुदेव साय ढूँढकर लाए। उससे भी बड़ी खोज मध्यप्रदेश में मोहन यादव के रूप में की गई। कहा जाने लगा कि अब कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। हर राज्य में जो चार– छह नाम हमेशा चलते रहते हैं और मीडिया को भी उन्हीं नामों को उछाले रहने की आदत हो जाती है, उन सबसे एकदम भिन्न। बहुत दूर की कौड़ी। मोदी ही लाते रहे हैं। जैसे महाराष्ट्र में कभी फडनवीस लाए थे। जैसे हरियाणा में खट्टर लाए थे। गुजरात में भूपेन्द्र पटेल३ और अब राजस्थान में भी ले ही आए। भजन लाल शर्मा। किसी ने पहले नाम नहीं लिया था। पहली बार के विधायक। आखध्रि मुख्यमंत्री बना दिए गए। वैसे इस बार तीनों राज्यों में एक ही फार्मूला चला। तीनों मुख्यमंत्री उम्र में 60 से नीचे। तीनों संघ की पृष्ठभूमि से। ३और पहली बार तीनों राज्यों में दो–दो डिप्टी सीएम भी। साथ ही विधानसभा अध्यक्ष उसी दिन तय। मप्र में तोमर और राजस्थान में देवनानी। छत्तीसगढ़ में हालाँकि रमन सिंह का नाम घोषित नहीं किया, लेकिन उन्हें कह दिया गया है। इसके पीछे एक ही दिन सभी कोनों को संतुष्ट करना और बाद के तमाम कयासों को विराम देना है। भाजपा नेतृत्व ने चौंकाने वाली अपनी परम्परा कधयम रखने के लिए भूल–भुलैया खूब बनाई। पहले मप्र में प्रह्लाद पटेल के घर सुरक्षा बढा दी गई। उनके घर भीड़ लगने लगी। पटेल साहब भी विधानसभा की सीढ़ियों पर जाकर मत्था टेक आए। मीडिया उनका नाम पक्का मानने लगा, लेकिन हुआ वही जो मोदी चाहते थे।

एग्जिट पोल की तरह न्यायिक फैसलों का पूर्वानुमान न हो

अमर प्रेम' फिल्म के गाने की इन पंक्तियों को बहुत लोग गुनगुनाते हैं– 'मझधार में नैया डोले, तो माझी पार लगाए, मांझी जो नाव डुबोए, उसे कौन बचाए...'। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तौहीन पर अवमानना के लिए जेल हो सकती है। लेकिन जजों के फैसलों का कोर्ट की रजिस्ट्री या न्यायिक प्रशासन ही पालन नहीं करे तो क्या किया जाए? दो हालिया वाकियों से ऐसी तस्वीर उभर रही है। जजों की नियुक्ति में हो रहे विलम्ब के मामले में आदेश के बावजूद मुकदमे की लिस्टिंग नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम जज कौल ने हैरानी और बेबसी जाहिर की, लेकिन न्यायिक अवमानना का दूसरा मामला ज्यादा संगीन है। कर्नाटक हाईकोर्ट में जूम से हो रही ऑनलाइन सुनवाई में शरारती लोगों ने पोर्नोग्राफी का प्रसारण कर दिया। उसके बाद चीफ जस्टिस ने तीनों बेंचों से ऑनलाइन सुनवाई और सीधे प्रसारण को स्थगित कर दिया। अदालती कार्यवाही के सीधे प्रसारण के समर्थन में 8 साल पहले दैनिक भास्कर में मेरा लेख प्रकाशित हुआ था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में हमारे मामले में साल 2018 में सीधे प्रसारण का ऐतिहासिक फैसला हुआ, जिसकी तीन बड़ी बातें थीं। पहली– सुप्रीम कोर्ट के नियमों में बदलाव। दूसरी– सुरक्षित प्लेटफॉर्म और इन्फ्रास्ट्रक्चर। तीसरी– कॉपीराइट की सुरक्षा के साथ डाटा के व्यावसायिक इस्तेमाल पर रोक। सीधे प्रसारण के फैसले के बाद अयोध्या मामले की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के लिए याचिका दायर हुई, जिसे रजिस्ट्री ने कई साल तक ठंडे बस्ते में रखा। लेकिन कोरोना–काल में आनन–फानन में ऑनलाइन सुनवाई और सीधे प्रसारण में न्यायिक फैसले को दरकिनार कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट में डॉ. आंबेडकर की मूर्ति का उद्घाटन हुआ है। लेकिन सर्वोच्च अदालत में ही आंबेडकर के सबसे बड़े आदर्श यानी कानून के शासन की अवहेलना होने से संवैधानिक संकट की स्थिति बनती है। इससे जुड़े पांच पहलुओं की समझ जरूरी है कॉपीराइट कानून में सख्त प्रावधानों की वजह से हम लोग पिक्चर, गानों, किताबों का व्यावसायिक इस्तेमाल नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट– उच्च न्यायालयों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण गूगल के यूट्यूब के माध्यम से हो रहा है। इसके लिए किए गए डिजिटल अनुबंध के तहत यूट्यूब को मुकदमों की कार्यवाही के साथ जजों की बातचीत से जुड़े डाटा के व्यावसायिक इस्तेमाल का अधिकार भी हासिल हो जाता है। वर्ष 2018 में दिए गए न्यायिक फैसले के अनुसार डाटा सरेंडर से जुड़े ऐसे अनुबंध अवैध और गैर–कानूनी हैं। साइबर सुरक्षा के बारे में आम जनता के साथ सरकार और जजों को भी जागरूक करना जरूरी है।

घदिल्ली हाईकोर्ट में हमारी याचिका में बहस के बाद ईमेल और सरकारी कंप्यूटर नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए दो नीतियां बनी थीं। उनके अनुसार ही केंद्र ने यूट्यूब से विशेष अनुबंध किया था। यूट्यूब जैसे विदेशी प्लेटफॉर्म के साथ सुप्रीम कोर्ट और एनआईसी विशेष अनुबंध करे तो न्यायपालिका की सार्वभौमिकता सुरक्षित रहेगी। अमेरिका और चीन के लिए जासूसी करने वाले विदेशी ऐप्स के खिलाफ गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और सर्ट ने कई सुरक्षा अलर्ट जारी किए हैं। कुछ साल पहले चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध के बावजूद कैम स्कैनर का इस्तेमाल होने पर जजों ने गुस्सा जाहिर किया था। 'वोकल फॉर लोकल' के शोर में सरकार और अदालतों में जूम, गूगल मीट, व्हाट्सएप, वेबैक्स और यूट्यूब जैसे विदेशी एप्स के असुरक्षित इस्तेमाल से राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ते खतरे पर ध्यान देना भी जरूरी है। पिछले हफ्ते अमेरिकी सीनेटर ने एपल और गूगल के माध्यम से जासूसी के आरोप लगाए हैं। जूम और व्हाट्सएप जैसे ऐप्स के इस्तेमाल से जजों की जासूसी होने पर न्यायिक प्रशासन अवरुद्ध हो सकता है। जजों की बातचीत और भाव–भंगिमा के डाटा का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ व्यावसायिक इस्तेमाल नहीं हो, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। एग्जिट पोल की तर्ज पर अगर न्यायिक फैसलों का पूर्वानुमान होने लगा तो यह बड़ी संवैधानिक आपदा होगी। डिजिटल सुनवाई और प्रसारण के लिए देशव्यापी कानून और एसओपी बनाने के साथ सुरक्षित स्वदेशी ऐप जरूरी हैं। अदालती कार्यवाही का प्रसारण, संसद टीवी या दूरदर्शन के माध्यम से किया जा सकता है। अगर यह सम्भव नहीं है तो अदालतों की कार्यवाही की ट्रांस–स्क्रिप्ट जारी करने का सिस्टम लागू होना चाहिए।

आतंकवाद का केंद्र बन रहा कनाडा

दीपक वोहरा

कनाडा में जब जस्टिन ट्रूडो प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने एक कट्टरपंथी सिख पार्टी के समर्थन से अल्पमत की सरकार बनाई, जिसके चलते उन्हें एक सिख आतंकवादी और नशे के कारोबारी को रक्षामंत्री बनाना पड़ा। इसी साल वहां के प्रधानमंत्री ने अपनी संसद को अपने प्रिय आतंकवादी की हत्या में भारतीय संलिप्तता का आरोप लगाकर द्विपक्षीय रिश्ते को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस पर कनाडा ने अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया है, लेकिन भारत से सहयोग की अपेक्षा करता है। भारतीय मूल के कनाडाई भारतीय राजनयिक परिसरों, हिंदू पूजा स्थलों और हिंदी फिल्म दिखाने वाले सिनेमाघरों पर हमले करते हैं। चूंकि हमारे राजनयिक सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे, इसलिए भारत ने कनाडा के लोगों के लिए वीजा निलंबित कर दिया। जब जस्टिन ट्रूडो ने भारत की शिकायत की, तो भारत के विदेश मंत्री या विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उसका जवाब दिया। भारत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने कनाडा के भारत के साथ सक्रिय जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर जोर देना शुरू किया।

मैंने ऐसा कई बार देखा है कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देता है या उसे सहन करता है, वह संकट में फंस जाता है। उदाहरण के लिए, सूडान, लीबिया, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सोमालिया, नेपाल आदि को देखा जा सकता है। इसका सबसे नवीनतम उदाहरण कनाडा है, जहां का नस्लीय नियंत्रण गैर–श्वेत प्रवासियों को पूर्ण लाभ लेने से वंचित करता है। हमें उम्मीद थी कि कनाडा अलगाव की किसी भी बात के प्रति बहुत संवेदनशील होगा, खासकर 1995 के क्यूबेक स्वतंत्रता से संबंधित जनमत संग्रह पारित होने के बाद, लेकिन उसके दोहरे मानदंड लगातार दिख रहे हैं। वह कानून के शासन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपदेश देता है, फिर भी 1970 में मौजूदा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के पिता सीनियर ट्रुडो ने युद्ध उपाय अधिनियम लागू किया और क्यूबेक अलगाववादी आंदोलन को कुचलने के लिए टैंक भेजे। हाल के वर्षों में कनाडाई नागरिकों द्वारा अंजाम दी जा रही भारत विरोधी घटनाओं के प्रति वहां की सरकार की सहनशीलता हमारे द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करती है। कनाडा ने 1974 में हमारे परमाणु परीक्षण के कुछ ही दिनों बाद हमारी परमाणु इकाइयों को सहायता देना रद्द कर दिया था। उसके बाद हमारे रिश्ते ठंडे पड़ गए। चालीस साल पहले जब कनाडाई आतंकवादियों ने एअर इंडिया के एक विमान को उड़ा दिया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे, तो हमने दोषियों के नाम बताकर कनाडा से उन्हें पकड़वाने में मदद करने की अपील की थी। उस समय मौजूदा प्रधानमंत्री के पिता सत्ता में थे और उन्होंने जांच को विफल करना सुनिश्चित किया। और सिर्फ एक व्यक्ति को कथित रूप से कुछ साल की जेल की सजा दी गई। यह महसूस करते हुए कि कनाडा आतंकवाद के प्रति नरम है, वहां हर धर्म के कट्टरपंथी इकट्ठा होने लगे। इस तरह कनाडा आतंकवाद का प्रमुख केंद्र बन गया। भारत ने जब आर्थिक उदारीकरण लागू किया, तो वर्ष 1996 में कनाडाई प्रधानमंत्री व्यापार की तलाश में 300 व्यवसायियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए भारत आए। लेकिन वह दौरा विफल हो गया। भारत ने आतंकवाद–विरोधी एक कार्यसमूह की स्थापना की, जिसे कनाडा ने भुला दिया। 2012 में भारत दौरे पर आए कनाडा के प्रधानमंत्री को खालिस्तान के प्रति सहानुभूति के कारण आधिकारिक रात्रिभोज पर नहीं बुलाया गया। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा का दौरा किया था, जो 42 वर्षों में इस तरह का पहला दौरा था और कनाडा हमें यूरेनियम बेचने पर सहमत हुआ था। इससे जिन लोगों को उम्मीद थी कि अतीत के गिले–शिकवे दूर हो जाएंगे, उन्हें जल्दी ही निराश होना पड़ा। कनाडा में जब जस्टिन ट्रूडो प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने एक कट्टरपंथी सिख पार्टी के समर्थन से अल्पमत की सरकार बनाई, जिसके चलते उन्हें एक सिख आतंकवादी और नशे के कारोबारी को रक्षामंत्री बनाना पड़ा। इसी साल वहां के प्रधानमंत्री ने अपनी संसद को अपने प्रिय आतंकवादी की हत्या में भारतीय संलिप्तता का आरोप लगाकर द्विपक्षीय रिश्ते को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस पर कनाडा ने अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया है, लेकिन भारत से सहयोग की अपेक्षा करता है। भारतीय मूल के कनाडाई भारतीय राजनयिक परिसरों, हिंदू पूजा स्थलों और हिंदी फिल्म दिखाने वाले सिनेमाघरों पर हमले करते हैं। चूंकि हमारे राजनयिक सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे, इसलिए भारत ने कनाडा के लोगों के लिए वीजा निलंबित कर दिया। जब जस्टिन ट्रुडो ने भारत की शिकायत की, तो भारत के विदेश मंत्री या विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उसका जवाब दिया। भारत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने कनाडा के भारत के साथ सक्रिय जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर जोर देना शुरू किया। फिर बीते नवंबर में अमेरिकियों ने कहा कि वे अपने एक नागरिक (एक कनाडाई नागरिक, वांछित आतंकवादी और स्पष्ट रूप से सीआईए एजेंट) की लक्षित हत्या को रोकने में कामयाब रहे। बस फिर क्या था, ट्रुडो खुशी से नाचने लगे। कनाडाई और अमेरिकी उस आतंकवादी से इतना प्यार करते हैं कि वे आतंकवाद के उसके खुले वादे का स्वागत करते हैं। जस्टिन भूल रहे हैं कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र आज वाणिज्य और सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण भू–राजनीतिक क्षेत्र है, जिसका आधार भारत है। इसलिए कोई भी देश दूसरे की खातिर भारत के साथ अपने संबंध खराब नहीं करना चाहेगा। सीमित द्विपक्षीय व्यापार में कनाडा के पास हमारी प्राथमिकता के क्षेत्र में देने के लिए बहुत ज्यादा चीजें नहीं हैं। कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में निवेशक, उद्योगपति और व्यवसायी, अत्यधिक कुशल शशिक्षकश से लेकर कम–कुशल शसेवाकर्मीश और छात्र शामिल हैं। दोनों देशों के रिश्तों में खटास आने के बाद भारतीय शैक्षणिक सलाहकार तीन लाख 20 हजार से ज्यादा छात्रों को कहीं और जाकर शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि यह निश्चित नहीं है कि स्नातक करने के बाद उन्हें वहां वर्क परमिट मिल जाएगा। सोशल मीडिया पर ऐसे भयावह पोस्ट आ रहे हैं कि भारतीय छात्र वहां गहरे संकट में हैं। छात्राओं को अवांछनीय गतिविधियों में धकेला जा रहा है और आत्महत्याएं भी हो रही हैं। भारतीय छात्र मुख्य रूप से मध्यम और निम्न–वर्गीय परिवारों से हैं, जो नस्ली भेदभाव के कारण हाशिये पर चले जाते हैं, इसलिए आतंकवादियों के लिए आसान शिकार होते हैं। भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा निलंबित करने के साथ–साथ ओटावा को नई दिल्ली में अपने मिशन का आकार सही करने के लिए मजबूर किया है। इसके अलावा खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। चाहे वे कहीं भी हों, उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई है, उनके ओसीआई कार्ड रद्द कर दिए गए हैं और उनके बैंक खातों को सील कर उनका नाम दुनिया को बता दिया गया है। भारत और कनाडा के रिश्तों में आतंकवाद एक प्रमुख विषय रहा है। जब 2018 में जस्टिन ट्रूडो भारत दौरे पर आए थे, तो पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें पंजाब में आतंकी गतिविधियों में लिप्त कनाडाई आतंकवादियों की एक सूची सौंपी थी।

लेकिन उन्होंने उसका कोई जवाब नहीं दिया। कनाडा पश्चिमी देशों का पिछलग्गू है, न कि वैश्विक ताकत। कनाडा इस्लामी और सिख कट्टरपंथ के साथ खेल रहा है, पर उसे अंदाजा नहीं है कि शीघ्र ही इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ेगा। कनाडा में जब जस्टिन ट्रूडो प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने एक कट्टरपंथी सिख पार्टी के समर्थन से अल्पमत की सरकार बनाई, जिसके चलते उन्हें एक सिख आतंकवादी और नशे के कारोबारी को रक्षामंत्री बनाना पड़ा। इसी साल वहां के प्रधानमंत्री ने अपनी संसद को अपने प्रिय आतंकवादी की हत्या में भारतीय संलिप्तता का आरोप लगाकर द्विपक्षीय रिश्ते को नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस पर कनाडा ने अब तक कोई सबूत पेश नहीं किया है, लेकिन भारत से सहयोग की अपेक्षा करता है। भारतीय मूल के कनाडाई भारतीय राजनयिक परिसरों, हिंदू पूजा स्थलों और हिंदी फिल्म दिखाने वाले सिनेमाघरों पर हमले करते हैं। चूंकि हमारे राजनयिक सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे थे, इसलिए भारत ने कनाडा के लोगों के लिए वीजा निलंबित कर दिया। जब जस्टिन ट्रुडो ने भारत की शिकायत की, तो भारत के विदेश मंत्री या विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उसका जवाब दिया। भारत की तीखी प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने कनाडा के भारत के साथ सक्रिय जुड़ाव बनाए रखने के महत्व पर जोर देना शुरू किया। फिर बीते नवंबर में अमेरिकियों ने कहा कि वे अपने एक नागरिक (एक कनाडाई नागरिक, वांछित आतंकवादी और स्पष्ट रूप से सीआईए एजेंट) की लक्षित हत्या को रोकने में कामयाब रहे। बस फिर क्या था, ट्रुडो खुशी से नाचने लगे। कनाडाई और अमेरिकी उस आतंकवादी से इतना प्यार करते हैं कि वे आतंकवाद के उसके खुले वादे का स्वागत करते हैं। जस्टिन भूल रहे हैं कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र आज वाणिज्य और सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण भू–राजनीतिक क्षेत्र है, जिसका आधार भारत है। इसलिए कोई भी देश दूसरे की खातिर भारत के साथ अपने संबंध खराब नहीं करना चाहेगा। सीमित द्विपक्षीय व्यापार में कनाडा के पास हमारी प्राथमिकता के क्षेत्र में देने के लिए बहुत ज्यादा चीजें नहीं हैं। कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में निवेशक, उद्योगपति और व्यवसायी, अत्यधिक कुशल शशिक्षकश से लेकर कम–कुशल शसेवाकर्मीश और छात्र शामिल हैं। दोनों देशों के रिश्तों में खटास आने के बाद भारतीय शैक्षणिक सलाहकार तीन लाख 20 हजार से ज्यादा छात्रों को कहीं और जाकर शिक्षा लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं,।

पर्यावरण: जलवायु-परिवर्तन और जागरूकता

कई क्षेत्रों में उत्तरदाताओं के बड़े हिस्से का कहना है कि उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बारे में शकभी नहीं सुनाश। यह रिपोर्ट दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन संबंधी धारणाओं, रवैयों, नीतिगत पसंद और व्यवहार का वर्णन करती है, जो रेयर और मेटा में सोशल इम्पैक्ट पार्टनरशिप की एकसाथ साझेदारी करने का नतीजा है। यूरोप में उत्तरदाताओं के यह कहने की सर्वाधिक संभावना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में कम से कम थोड़ा–बहुत तो जानते हैं, 31 में से 27 क्षेत्रों में बहुमत ऐसा कह रहा है। इसके विपरीत, उप–सहारा अफ्रीका के उत्तरदाताओं में इसकी संभावना सबसे कम है। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल कार्यक्रम के निदेशक एंथनी लीसेरोविट्ज ने कहा, शदुनिया भर में बुनियादी जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों को बताए जाने की अभी गंभीर आवश्यकता है, ।

सीमा जावेद

फेसबुक उपयोगकर्ताओं के एक वैश्विक सर्वेक्षण में विकसित और विकासशील देशों के लोगों के बीच जलवायु जागरूकता में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया है। जलवायु परिवर्तन पर 'अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक जनमत रू 2023' नामक एक रिपोर्ट में, जलवायु परिवर्तन कम्यूनिकेशन पर येल कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय संरक्षण संगठन रेयर और डाटा फॉर गुड के शोधकर्ताओं को विकसित दुनिया के उत्तरदाताओं में जलवायु परिवर्तन को लेकर उच्च स्तर की जागरूकता मिली, जबकि अफ्रीका, दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, मध्य पूर्व और कई द्विपीय देशों के आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने बताया कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में शबहुत कमश या शकुछ भी नहींश जानते हैं। इस सर्वेक्षण में दुनिया भर के 187 देशों के 18 वर्ष से ऊपर के 1,39,136 फेसबुक के सक्रिय उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रियाएं जुटाई गईं। सर्वेक्षण में शामिल 110 देशों, इलाकों और क्षेत्रों में से 45 में आधे से अधिक उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में या तो शबहुत कुछश या शथोड़ा–बहुतश जानते हैं। कई क्षेत्रों में उत्तरदाताओं के बड़े हिस्से का कहना है कि उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बारे में शकभी नहीं सुनाश। यह रिपोर्ट दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन संबंधी धारणाओं, रवैयों, नीतिगत पसंद और व्यवहार का वर्णन करती है, जो रेयर और मेटा में सोशल इम्पैक्ट पार्टनरशिप की एकसाथ साझेदारी करने का नतीजा है। यूरोप में उत्तरदाताओं के यह कहने की सर्वाधिक संभावना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में कम से कम थोड़ा–बहुत तो जानते हैं, 31 में से 27 क्षेत्रों में बहुमत ऐसा कह रहा है। इसके विपरीत, उप–सहारा अफ्रीका के उत्तरदाताओं में इसकी संभावना सबसे कम है। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल कार्यक्रम के निदेशक एंथनी लीसेरोविट्ज ने कहा, शदुनिया भर में बुनियादी जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों को बताए जाने की अभी गंभीर आवश्यकता है, खासकर दुनिया के सबसे कमजोर देशों की आबादी में।श किसी भी चुनौती से निपटने के लिए उसे झेलने वालों को उसके हर पहलू की बेहतर जानकारी होना जरूरी है। साफ जाहिर है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में दुनिया भर के लोगों के ज्ञान और दृष्टिकोण में बहुत बड़ा फासला है। जलवायु परिवर्तन के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले लोगों में इसके बारे में पूरी जानकारी और जागरूकता न होने पर इसके लिए जरूरी साक्ष्य–आधारित कार्यक्रमों और नीतियों का समर्थन करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि ग्लोबल साउथ में कई लोग शुरू में जलवायु परिवर्तन के बारे में बेखबर थे, लेकिन एक बार संक्षिप्त परिभाषा देने पर हर स्थान पर बहुत बड़े बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है। कुछ ही क्षेत्रों में बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन ज्यादातर मानवीय गतिविधियों के कारण होता है, जबकि कई लोग कहते हैं कि यह समान रूप से मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक परिवर्तनों, दोनों के कारण होता है। लैटिन अमेरिका के देश जलवायु परिवर्तन को लेकर सबसे अधिक चिंतित देशों में शामिल हैं। कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर में 92 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में शबहुत चिंतितश या शकुछ हद तक चिंतितश हैं। अल साल्वाडोर में 87 फीसदी उत्तरदाताओं के यह कहने की संभावना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से शनिहायतश या शबहुतश महत्वपूर्ण है, जबकि 90 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन सरकार के लिए या तो शबहुत उच्चश या शउच्चश प्राथमिकता होनी चाहिए। नीदरलैंड में केवल 45 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में चिंतित हैं या कुछ हद तक चिंतित हैं, और केवल 19 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बेहद या बहुत महत्वपूर्ण है। समृद्ध क्षेत्रों के उत्तरदाता आमतौर पर जलवायु परिवर्तन को व्यक्तिगत जोखिम के रूप में नहीं देखते हैं, बल्कि इसे भविष्य की पीढ़ियों या दुनिया के अन्य हिस्सों के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देखते हैं। यह येल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज कम्युनिकेशन के पूर्व अध्ययनों के अनुरूप है, जिनमें पाया गया था कि कई लोग जलवायु परिवर्तन को दूर की समस्या के तौर पर देखते हैं। कई क्षेत्रों में उत्तरदाताओं के बड़े हिस्से का कहना है कि उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बारे में शकभी नहीं सुनाश। यह रिपोर्ट दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन संबंधी धारणाओं, रवैयों, नीतिगत पसंद और व्यवहार का वर्णन करती है, जो रेयर और मेटा में सोशल इम्पैक्ट पार्टनरशिप की एकसाथ साझेदारी करने का नतीजा है। यूरोप में उत्तरदाताओं के यह कहने की सर्वाधिक संभावना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में कम से कम थोड़ा–बहुत तो जानते हैं, 31 में से 27 क्षेत्रों में बहुमत ऐसा कह रहा है। इसके विपरीत, उप–सहारा अफ्रीका के उत्तरदाताओं में इसकी संभावना सबसे कम है। जलवायु परिवर्तन संचार पर येल कार्यक्रम के निदेशक एंथनी लीसेरोविट्ज ने कहा, शदुनिया भर में बुनियादी जलवायु परिवर्तन के बारे में लोगों को बताए जाने की अभी गंभीर आवश्यकता है, खासकर दुनिया के सबसे कमजोर देशों की आबादी में।श किसी भी चुनौती से निपटने के लिए उसे झेलने वालों को उसके हर पहलू की बेहतर जानकारी होना जरूरी है। साफ जाहिर है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में दुनिया भर के लोगों के ज्ञान और दृष्टिकोण में बहुत बड़ा फासला है। जलवायु परिवर्तन के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले लोगों में इसके बारे में पूरी जानकारी और जागरूकता न होने पर इसके लिए जरूरी साक्ष्य–आधारित कार्यक्रमों और नीतियों का समर्थन करना मुश्किल हो सकता है। हालांकि ग्लोबल साउथ में कई लोग शुरू में जलवायु परिवर्तन के बारे में बेखबर थे, लेकिन एक बार संक्षिप्त परिभाषा देने पर हर स्थान पर बहुत बड़े बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है। कुछ ही क्षेत्रों में बहुमत का कहना है कि जलवायु परिवर्तन ज्यादातर मानवीय गतिविधियों के कारण होता है, जबकि कई लोग कहते हैं कि यह समान रूप से मानवीय गतिविधियों और प्राकृतिक परिवर्तनों, दोनों के कारण होता है। लैटिन अमेरिका के देश जलवायु परिवर्तन को लेकर सबसे अधिक चिंतित देशों में शामिल हैं। कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर में 92 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में शबहुत चिंतितश या शकुछ हद तक चिंतितश हैं। अल साल्वाडोर में 87 फीसदी उत्तरदाताओं के यह कहने की संभावना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से शनिहायतश या शबहुतश महत्वपूर्ण है, जबकि 90 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन सरकार के लिए या तो शबहुत उच्चश या शउच्चश प्राथमिकता होनी चाहिए। नीदरलैंड में केवल 45 फीसदी उत्तरदाताओं का कहना है कि वे जलवायु परिवर्तन के बारे में चिंतित हैं या कुछ हद तक चिंतित हैं, और केवल 19 फीसदी का कहना है कि जलवायु परिवर्तन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से बेहद या बहुत महत्वपूर्ण है।

भाजपा में चुनाव जीतने की भूख होती है

अफसोस कि इंडिया गठबंधन की पार्टी शुरू होने से पहले ही खत्म होती दिख रही है। इससे मुझे अपने स्कूल के एक दोस्त की याद आती है। उसे अपने मां–पिता से हाउस पार्टी करने की अनुमति मिल गई थी। अगले कुछ हफ्तों में उसने इसे अब तक की सबसे बेहतरीन पार्टी बनाने के लिए पूरी योजना बनाई– म्यूजिक, खाना, सजावट, निमंत्रण। लेकिन दुर्भाग्य से पार्टी से एक सप्ताह पहले स्कूल में हमारा क्लास टेस्ट हुआ। दोस्त का प्रदर्शन बहुत खराब रहा और वह अंतिम स्थान पर आया। बस, उसके मां–पिता ने पार्टी की इजाजत वापस ले ली। पार्टी शुरू होने से पहले ही खत्म हो गई। इंडिया गठबंधन की भी यही हालत है। हाल में हुए चुनावों में इसकी मुख्य सहयोगी कांग्रेस की जैसी हालत हुई है, उससे यह गठजोड़ खटाई में आ गया है। इसकी तुलना बमुश्किल कुछ ही महीने पहले के उस दृश्य से करें, जब विपक्ष में खासा उत्साह था। कर्नाटक में कांग्रेस ने भाजपा को हराकर जीत हासिल की थी। विपक्ष एकजुट हुआ और खुद को एक नाम दिया– इंडिया! इसे मास्टर स्ट्रोक कहा गया! शब्दों के चतुर खेल को ही एक प्रकार की जीत मान लिया गया। मानो इंडिया नाम रखने भर से ही आपने पूरे इंडिया को जीत लिया हो! मैं सोचता हूं तब उन्होंने अपना नाम वर्ल्ड या सोलर सिस्टम क्यों नहीं रखा? खैर, जो भी हो, इंडिया नाम को कुछ आकर्षण तो मिला ही। इसके बाद मंच पर विभिन्न दलों के नेताओं की समूह–तस्वीरें खींची गईं। इतने सारे लोगों के साथ यह किसी क्लास की तस्वीर जैसी लग रही थी, हालांकि स्कूल यूनिफॉर्म के बिना। निश्चित रूप से, इतने सारे लोगों के साथ आने से भाजपा और एनडीए गठबंधन को बड़ा नुकसान होगा– ऐसा कई लोगों ने सोचा। इसके बाद इंडिया गठबंधन ने 14 टीवी एंकरों का बहिष्कार किया। यह भी कुछ समय तक ट्रेंड में रहा, जिससे वो एंकर खबरों में बने रहे। विधानसभा चुनावों के लिए ओपिनियन पोल्स में कांग्रेस को कई राज्यों में जीतते दिखाया गया। मोमेंटम, हवा, तूफान, लहर– सबकुछ कांग्रेस के पक्ष में था। तो क्या कांग्रेस आखिरकार खेल बदलने जा रही थी? इंटरनेट पर विपक्षी गठबंधन के संभ्रांत समर्थकों ने समय से पहले जश्न मनाना शुरू कर दिया। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया गेम को मजबूत किया। आखिरकार उन्हें मजेदार मीम्स की महत्ता भी पता चली। इंडिया गठजोड़ ने कहा कि भाजपा बचाव की मुद्रा में है, क्योंकि उसके बड़े दिग्गज विधानसभा चुनाव के लिए हिंदी पट्टी के राज्यों में अपनी आमद दर्ज कराने पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़– इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की जीत की सम्भावनाएं जताई गईं। भारत जोड़ो यात्रा को पहले ही जीत का श्रेय दिया जाने लगा। लेकिन अफसोस कि जल्द ही शोर थम गया। भाजपा ने हिंदी पट्टी के एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीनों राज्यों में जीत हासिल कर विपक्ष के सपनों पर ब्रेक लगा दिया। भाजपा वहां जीती जहां वह पहले से ही सत्ता में थी और जहां वह सत्ता में नहीं थी, वहां भी उसे जीत हासिल हुई। कांग्रेस के पास कोई बहाना नहीं था। उसने तेलंगाना तो जीत लिया लेकिन हिंदी पट्टी के ये बड़े राज्य ही लोकसभा चुनाव का खेल तय करेंगे। तेलंगाना में भी भाजपा ने अपनी सीटों की संख्या और वोट–शेयर में सुधार किया है, जिसके नतीजे आने वाले सालों में देखने को मिलेंगे। आमतौर पर जब भी ऐसा होता है तो कांग्रेस को राय–मशविरा देने वाले स्तंभों की भीड़ लग जाती है। इन पंक्तियों का लेखक भी इसका दोषी है। वास्तव में, क्रिप्टो, स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग और ड्रॉपशिपिंग पाठ्यक्रमों के बाद शायद सबसे लोकप्रिय ऑनलाइन पाठ्यक्रम 'कांग्रेस के लिए सबक' ही है। इसलिए यह कॉलम इसमें अपना योगदान नहीं देगा। वैसे भी कांग्रेस सलाह की कमी या चतुर रणनीति के अभाव से नहीं हार रही है। इस बात से कांग्रेस भी अच्छी तरह से वाकिफ है। लेकिन सच्चाई यह है कि भाजपा और उसके नेतृत्व के पास कुछ ऐसा है, जो कांग्रेस के पास नहीं है। इसे जुनून कहा जाता है। यही वह भूख, प्रेरणा, धैर्य और संघर्ष है, जो किसी को दूसरों से आगे निकलने में मदद करते हैं। कांग्रेस नेतृत्व के पास वैसा जुनून नहीं है, जिसमें हर चुनाव, हर रैली और हर पोलिंग बूथ अहम होता है, जहां योजना भविष्य के लिए होती है, न कि तात्कालिक संतुष्टि या जीत के लिए, जहां सही सलाह ली जाती है फिर चाहे उस पर अमल करना कितना भी मुश्किल क्यों न हो। 2018 में क्या पूरे देश ने कांग्रेस को यह बताने की कोशिश नहीं की थी कि सचिन पायलट और ज्योतिरादित्य सिंधिया को क्रमशः राजस्थान और मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया जाए?

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा'' का शुभारम्भ ,डीएम एसपी व नपा अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार वैन किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य सचिव, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र द्वारा प्रदेश में बढती सड़क दुर्घटनाओं में घायलोंध्मृतकों की संख्या में कमी लाये जाने एवं आम जनमानस में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा 15 दिसम्बर 2023 से 31 दिसम्बर 2023 तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 15 दिसम्बर 2023 को प्रातः 11:00 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में ''सड़क सुरक्षा पखवाड़ा'' का शुभारम्भ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मनोरमा मौर्या अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा प्रतिभाग किया गया तथा उक्त शुभारम्भ समारोह को मुख्य अतिथि, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बोधित कर सड़क सुरक्षा जागरूकता के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा उपस्थित समस्त व्यक्तियों को जिलाधिकारी अनुज कुमार झा द्वारा सड़क सुरक्षा शपथ दिलायी गयी।

सड़क सुरक्षा जागरूकता प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वाहन के साथ–साथ कुवर हरिवंश सिंह नर्सिंग कालेज के लगभग 100 छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित स्लोगन झण्डा के साथ कलेक्ट्रेट परिसर से ए0आर0टी0ओ0 कार्यालय तक पैदल मार्च कर आम जनमानस को जागरूक किया गया। उक्त समारोह में मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी के अलावा पुलिस अधीक्षक यातायात देवेश कुमार सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सत्येन्द्र कुमार सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती इन्दू यादव कोऑर्डिनेटर कुंवर हरिवंश नर्सिंग कालेज एवं अम्बिका प्रसाद, प्रधान सहायक तथा परिवहन विभाग व यातायात विभाग के कार्मिक उपस्थित रहें।

नगर विधायक ने हरी झंडी व शपथ ग्रहण कराकर किया सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

अयोध्या। (डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक मनाया जायेगा।इस दौरान परिवहन विभाग द्वारा लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जायेगा।जो ए0आर0टी0ओ0 के नेतृत्व में चलाया जायेगा।ड्राइविंग टेस्टिंग एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट अयोध्या में आयोजित सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक) कार्यक्रम का शुभारंभ नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा पखवाड़ा केवल प्रतीक मात्र न रह जाय इसलिए सड़क सुरक्षा से संबंधित सावधानियों एवं यातायात नियमो के प्रति जागरूकता के लिए स्कूल स्तर से ही छात्रों को जोड़ने की जरूरत है।सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौतों एवं घायलों की बढ़ती संख्या पर चिन्ता व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सड़क सुरक्षा को लेकर बहुत गम्भीर हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों को कम

करने के प्रयास करने के निर्देश सड़क सुरक्षा की विभिन्न बैठकों के माध्यम से दिये हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों को आत्मसात करें। हेलमेट एवं सीटबेल्ट का प्रयोग अवश्य करे। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने की सलाह देते हुए कहा कि यदि हम वाहन चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं तो इसका अर्थ है कि हम एक्सीडेंट को दावत दे रहे हैं। आरटीओ प्रशासन रितु सिंह ने कहा कि हम ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। परिवहन विभाग द्वारा टीम भावना से सभी स्टेक होल्डर विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना बनाकर सड़क सुरक्षा के प्रति आम लोगों को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा बैनर पोस्टर एवं अन्य प्रचार माध्यमों से लोगों को परिवहन विभाग जागरूक करने का काम करेगा। आरटीओ प्रवर्तन श्री विश्वजीत प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन अमूल्य है। वाहन चलाते समय कभी भी शार्टकट न अपनाएं। उन्होंने कहा कि जब तक सड़क सुरक्षा के नियमों को आत्मसात करने के लिए जन–जन जागरूक नहीं होगा तब तक सड़क सुरक्षा अभियान मजबूत नहीं होगा। क्षेत्राधिकारी बीकापुर ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को अस्पताल पहुंचाने के लिए आमजन से अपना कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग से डॉक्टर बसंत कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री संतोष कुमार राय, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री विमल रंजन, ट्रक यूनियन के अध्यक्ष श्री सुरेश सिंह, लोक निर्माण विभाग के श्री राहुल राय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉक्टर आर पी सिंह, सहायक संभागीय अधिकारी प्रवर्तन श्री प्रवीण सिंह, यात्री कर अधिकारी श्री संदीप चौधरी एवम संभागीय निरीक्षक श्री प्रेम सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन डॉक्टर आर पी सिंह द्वारा किया गया।कार्यक्रम में गंगा प्रसाद रविदास इंटर कॉलेज रानोपाली, अयोध्या तथा श्री निःशुल्क गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय अयोध्या के लगभग डेढ़ सौ बच्चे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा, जितेन्द्र बच्चन को 'भारत गौरव' अवार्ड

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कला, साहित्य, संस्कृति एवं पत्रकारिता सम्मान –2023 की घोषणा कर दी गई है। सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 24 दिसंबर को आईटीओ, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित संस्कार भारती में किया जाएगा। इस अवसर पर अमेरिका, नेपाल और भारत के 11 राज्यों के अवार्डी शामिल होंगे। देश के प्रख्यात चित्रकार सुरेशपाल वर्मा 'जसाला' को राष्ट्रीय पुरस्कार, शिक्षाविद् योगेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ को 'राष्ट्र विभूषण' और वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन को 'भारत गौरव सम्मान– 2023' प्रदान किया जाएगा।

प्रधान सचिव डॉ रामकिशोर के अनुसार, जसाला फाउण्डेशन (पंजी) दिल्ली एवं सुप्रभात मंच (पंजी) दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे सम्मान समारोह को सात श्रेणियों– राष्ट्र विभूषण, भारत गौरव, राष्ट्र रत्न, साहित्य शिरोमणि, साहित्य रत्न, साहित्य विभूति और साहित्य गौरव सम्मान –2023 में बांटा गया है। दिल्ली, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, झारखंड, असम, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ के अवार्डी सम्मान समारोह में उपस्थित रहेंगे। 'राष्ट्र विभूषण सम्मान' से नवाजे जाने वालों में लखनऊ के प्रो विश्वम्बर शुक्ल, दिल्ली के पीतम सिंह 'प्रीयतम', डॉ सुरेन्द्र वर्मा, विजय कुमार स्वर्णकार, पवन वर्मा शाहीन, रमाकांत कौशिक, अरुण कुमार शर्मा, सीके शर्मा, रामचरण सिंह साथी, कानपुर के रामप्रकाश वर्मा, राजस्थान के संजीव वर्मा सलिल, उत्तराखंड के साधुराम पल्लव और कुलदीप कुमार शामिल हैं। जबकि 'राष्ट्र रत्न सम्मान दृ 2023' से हरियाणा के सचिन वर्मा, दिव्या वर्मा, नोएडा के संदीप वर्मा, दिल्ली सरकार के डॉ नवीन वर्मा, अमेरिकी कंपनी के गौरव वर्मा, अंकिता बिजपुरिया और दिल्ली सरकार के डॉ नीरज धोलियान दिल्ली की सीए प्रीति वर्मा को नवाजा जाएगा।

'भारत गौरव सम्मान– 2023' जिन हस्तियों को प्रदान किया जाएगा, उनमें उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के जितेन्द्र बच्चन के अलावा दिल्ली के अशोक जैन, प्रभात कुमार, आरके जैन, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा स्वर्णकार, अरुण कुमार वर्मा, एमके राजपूत, कुंवर अशोक, ममता वर्मा, ओमप्रकाश प्रजापति, योगेश कौशिक, प्रशान्त कुमार, हरस्वरूप भामा, प्रवीण कुमार आर्य, सुशील कुमार जैन और उत्तराखंड के अभिनंदन गुप्ता शामिल हैं।

सरस्वती डेंटल कॉलेज में विद्यार्थियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महीने भर चलने वाले रजत जयंती समारोह के 14वें दिन की शुरुआत आज टैगोर और कृष्णन के बीच लड़कों के क्रिकेट के साथ हुई। मैच के अंपायर डॉ. सुलेमान और निशांत यादव थे। टैगोर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कृष्णन हाउस ने शानदार जीत दर्ज की. कृष्णन हाउस के खिलाड़ी–अमन यादव, शाश्वत गुप्ता, कान्हा मालविया, डॉ. हिमांशु चौहान, डॉ. अतुल गुप्ता, डॉ. तुषार माथुर, अभिराज कुमार, सौरव, डॉ. हर्ष तिवारी प्रिंस। टैगोर हाउस के खिलाड़ी – डॉ.गौरव चौधरी, अक्षत तिवारी, इक्षाकु कश्यप, सूर्यांश सारस्वत, दिव्यांश पंडारेया, सोनू कुमार सिंह, आर्यन, डॉ.आदित्य इंगले, शिवांश। कृष्णन हाउस ने 15 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 143 रन बनाए। टैगोर हाउस ने 15 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाए और इस तरह कृष्णन हाउस 2 रनों से जीत गया। मैन ऑफ द मैच हर्ष तिवारी ने 33 रन बनाए। सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज खुश्गरा ने 2 विकेट लिए, कृष्णन हाउस के कप्तान उत्कर्ष तिवारी अपनी टीम का समर्थन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए वहां मौजूद थे।

लड़कियों का शतरंज फाइनल कॉलेज लाइब्रेरी में रमन बनाम टैगोर हाउस के बीच हुआ। रमन हाउस से अनुष्का और टैगोर हाउस से मानसी ने मैच खेला। कड़े मुकाबले के बाद रमन हाउस ने जीत हासिल की।

यह सब संकाय खेल प्रमुख डॉ. के मार्गदर्शन में हुआ। सुलेमान अब्बास, कॉलेज कप्तान – मानसी बिष्ट और खेल सचिव – अक्षत तिवारी, मुस्कान श्रीवास्तव। संयुक्त सचिव – अभिराज, खुशबू, अनुष्का राय और विक्की सिंह। योग सचिव–श्रेयस सिंह, संयुक्त सचिव–लक्ष्य और अंजलि एडवेंचर सचिव–गौरी शुक्ला, इक्षाकु साकिया, संयुक्त सचिव–खुशाग्र, अंशिका।

आज आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम थाश्अंग्रेजी वाद–विवाद प्रतियोगिताश्. विषय बहस के लिए था ष्कृत्रिम होशियारी बनाम मानव–शताब्दी की लड़ाईष्। प्रतियोगिता के प्रतिभागी थेरू चावला–प्रियांशी माथुर (पक्ष में), सक्षम कोहली (विरुद्ध)। रमन–रितिका फिलिप्स (के लिए), इंजिला सफवी (विरुद्ध)। टैगोर–समी क्ष (पक्ष में), डॉ. श्रोणिका (विरुद्ध)। कृष्णन–आकांशा सिंह (पक्ष में), प्रकृति पांडे (विरुद्ध)। कार्यक्रम के निर्णायक थेरू डॉ. अलका यदु, कर्नल डॉ. अनिल झा और डॉ. चेतन चंद्रा.

पहला स्थान इंजिला सफवी (रमन हाउस), दूसरा स्थान आकांशा सिंह (कृष्णन हाउस) और तीसरा स्थान डॉ श्रोणिका (टैगोर हाउस) ने हासिल किया।

कार्यक्रम का संचालन साहित्यिक प्रमुख डॉ.श्वेता सिंह साहित्यिक सचिव–दीपांशु, रामस्वरूप संयुक्त सचिव–प्रतीश, इंज इला, परिधि, शगुन, रुचिता के मार्गदर्शन में किया गया।

आगामी साहित्यिक कार्यक्रम ब्लॉग लेखन और लघु कला, पेपर प्रस्तुति और बहुत कुछ हैं। खेलों में खो–खो, क्रिकेट फाइनल, एथलेटिक्स और कई अन्य प्रतियोगिताएं शामिल हैं। अगले सप्ताह से विविध कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक सप्ताह शुरू होगा। और सबसे अधिक प्रतीक्षित कार्यक्रम 29 दिसंबर को एक संगीतमय रात होगी जहां अंकित तिवारी प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा हमारा कॉलेज पहले से उत्तीर्ण बैचों के लिए एक पूर्व छात्र बैठक का आयोजन कर रहा है।

आज की जानकारी

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स विभाग, सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल, दांतों की प्राकृतिक सुंदरता और कार्यक्षमता को संरक्षित करने के लिए समर्पित है।

विभाग में दो समर्पित अनुभाग हैं, जहाँ बुनियादी एवं सभी उन्नत उपचार किये जाते हैं। उपचार के तौर–तरीकों में दांतों की कैविटी के इलाज एवं रूट कैनाल उपचार से लेकर स्माइल डिजाइन, डायस्टेमा क्लोजर आदि जैसे सौंदर्य संबंधी उपचार भी प्रदान करता है। विभाग में अच्छे पुस्तक संग्रह के लिए पुस्तकालय भी है।

अम्बर फाउंडेशन की एक और नायाब पहलः आने वाली ठंड से बचाव के लिए गरीब बच्चों में बांट रही हजारों स्वेटर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिखाई गई राह पर आगे बढ़ते हुए अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफा अब्बास ने एक और नई पहल करते हुए लखनऊ की गरीब बस्तियों में स्वेटर वितरण कार्यक्रम प्रारंभ किया है जो 30 जनवरी 2023 तक चलेगा जिस में हजारों स्वेटर बांटे जाएंगे। जरूरतमंद परिवार के व्यक्तियों के 5 से 8 साल के बच्चों हेतु स्वेटर वितरण कार्यक्रम लखनऊ के विभिन्न इलाकों में तेजी से चल रहा है जिसमें कई हजार स्वेटर बांटे जा चुके हैं।

स्वेटर वितरण कार्यक्रम को गति देते हुए मंगलवार को लखनऊ में दो स्थानों पर बड़े पैमाने पर स्वेटर बांटे गये। अम्बर फाउंडेशन द्वारा स्वेटर वितरण कार्यक्रम सुबह ठाकुरगंज स्थित सेन्ट रोज पब्लिक स्कूल में किया गया जिस में क्षेत्र के कई सौ 5 से 8 वर्ष के बच्चों को मुफत स्वेटर वितरित किए गये। इसके पश्चात एक और कार्यक्रम नौबस्ता स्थित भारत एकैडमी में आयोजित किया गया जिस में स्कूल की संस्थापिका श्रीमति सरवन सक्सैना ने अम्बर फाउंडेशन द्वारा आयोजित स्वेटर वितरण कार्यक्रम में सहायक भूमिका निभाई।

एक दिन पूर्व सोमवार को अंगूरी बाग स्थित लखनऊ ओरियन्टल स्कूल में स्कूल के संस्थापक तनवीर हुसैन की उपस्तिथि में 5 से 8 वर्ष के बच्चों को अम्बर फाउंडेशन द्वारा स्वेटर वितरित किए गये थे। रोजाना नित नये इलाकों को चुन कर सैकड़ों 5 से 8 वर्ष के बच्चों को स्वेटर वितरण का कार्यक्रम जारी है। इनमें लखनऊ के कृष्णापुरी और सआदतगंज इलाके भी शामिल हैं जहां स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है। कल्यानपुर स्थित फास्टर एकैडमी में स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है। अब तक हजारों स्वेटर वितरित किए जा चुके हैं।

अपने मन की बात करते हुए अम्बर फाउंडेशन के चेयरमैन वफा अब्बास का कहना है कि छोटे कमउम्र बच्चों को वितरित किए जाने वाले ये स्वेटर उत्तर भारत की कड़कड़ाती ठंड से बचाने में कितना लाभकारी सिद्ध होंगे आप स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं।

वफा अब्बास ने बताया कि अम्बर फाउंडेशन स्वेटर वितरण का ये कार्यक्रम 30 जनवरी 2024 तक जारी रखेगी। शहर का कोई भी बच्चा ठंड के कारण बीमार न पड़े ऐसा वफा अब्बास की ख्वाहिश है। 'हमारे तमाम बेहतरीन कामों में हमारे प्रेरणा स्त्रोत देश के रक्षा मंत्री और लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह हैं,' वफा अब्बास बताते हैं और कहते है कि वह इस प्रकार के काम जोर शोर से करते रहेंगे।

वफा अब्बास ने बताया कि अम्बर फाउंडेशन कई अन्य क्षेत्रों में काम कर रही है। 16 अगस्त 2023 से नित नये इलाकों में आंखों की जांच के शिविर लगाए जाते रहे हैं। ऐसे हर शिविर में दो सौ से सात सौ लोगों की निशुल्क नेत्र जांच की जाती रही है। वफा अब्बास ने मार्च 2024 तक 25000 निशुल्क नेत्र जांच कर लेने का टारगेट बनाया गया है। अब तक दस हजार से अधिक व्यक्तियों की आंखों की जांच करके निशुल्क चश्मा वितरण का कार्य किया जा चुका है। जिन व्यक्तियों की निशुल्क नेत्र जांच की जा रही है उनमें से अनेक ऐसे पाए गयें जिन को मोतियाबिंद था जिसका तुरंत आप्रेशन होना अनिवार्य था। अम्बर फाउंडेशन की ओर से वफा अब्बास ने करीब 3000 लोगों की आंखों के आप्रेशन में आर्थिक सहायता प्रदान करने का आहवान किया है।

इसके अतिरिक्त अम्बर फाउंडेशन जरूरतमंद बच्चों के स्कूल की फीस भरने में भी मदद करती है। लखनऊ के विभिन्न स्कूलों में पढ़ रहे करीब एक हजार बच्चों की स्कूल की फीस अम्बर फाउंडेशन की ओर से दी जा रही है।

अम्बर फाउंडेशन ध्येय कोचिंग के साथ मिलकर कलैक्टर बिटिया अभियान भी चला रही है जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर 300 छात्राओं को आईएएसध्पीसीएस की निशुल्क कोचिंग प्रदान कराने की सुविधा है। बीते कई महिनों से कलैक्टर बिटिया अभियान चल रहा है और पिछली बार चुनी गई कई बच्चियां पीसीएस की प्री परीक्षा क्वालिफाई कर चुकी हैं और शीघ्र होने वाली लिखित परीक्षा में बैठेंगी।

पिछले सप्ताह इस्लामिक फाउंडेशन आफ इंडिया के प्रांगण में अम्बर फाउंडेशन ने 50 दिव्यांग व्यक्तियों को निशुल्क ट्राईसाईकिल वितरण करके अपने कार्यक्षेत्र को और अधिक विस्तृत किया है। 'बड़ी बात पैसा खर्च करना नहीं है बल्कि बड़ी बात ये है कि हमारी टीम चप्पे चप्पे में घूम कर जरूरतमंदों की तलाश करने में जुटी है, ताकि उनको उनकी आवश्यकता अनुसार सहायता प्रदान की जा सके,' वफा अब्बास का कहना है। अपने विभिन्न कामों के माध्यम से वफा अब्बास लखनऊ के हजारों जरूरतमंदों और गरीबों के साथ जुड़कर उनके दिलों में एक विशेष स्थान बना चुके हैं। वफा अब्बास बताते हैं कि 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की यही नसीहत है कि दिलों को जोड़ने और गरीबों की सहायता करने का काम जारी रखें और इस काम में किसी प्रकार भी धर्म या जाति के भेद भाव को रूकावट न बनने दें।' 'हमारी निरंतर कोशिश गरीब परिवारों से जुड़कर उनकी जिंदगी में कुछ बेहतरी लाने की है', वफा अब्बास बताते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर अपराधी गिरफ्तार

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)। जनपद में हो रही चोरियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक हरदोई केशव चन्द गोस्वामी द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शाहाबाद पुलिस टीम सक्रिय रही और शुक्रवार को थाना शाहाबाद पुलिस टीम थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चला रही थी तभी सूचना प्राप्त हुई कि एक शातिर चोर मोटरसाइकिल पर ग्राम दिलावरपुर की तरफ जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक हेमंत उपाध्याय के आदेशों का पालन करते हुए शाहाबाद पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर अभियुक्त की

गिरफ्तारी हेतु घेराबंदी की गयी, ग्राम दिलावरपुर के निकट मिलन ढाबा के पीछे मोटरसाइकिल पर सवार अभियुक्त पुलिस द्वारा खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी पुलिस ने फायरिंग का जबाब देते हुए अभियुक्त के पैर मे मारी गोली चोरी की घटनाओं में वांछित शातिर अभियक्त कमरुल पुत्र अन्न उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम काजीपुरा थाना बिलग्राम के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया, अभियुक्त कमरुल के कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर मय 02 जिंदा व 02 खोखा कारतूस, चोरी के आभूषण एवं मोटरसाइकिल बरामद, घायल अभियुक्त को उपचार हेतु सीएचसी शाहाबाद ले जाया गया, पुलिस अधीक्षक हरदोई केशव चंद्र गोस्वामी द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण घटनास्थल किया गया । अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है, कानून व्यवस्था संबंधी कोई समस्या नहीं है।

डॉ राम मनोहर लोहिया अविवि में छात्राओं के साथ टॉक शोध्कार्यशाला का आयोजन

अयोध्या। शुक्रवार को जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र के नेतृत्व में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सन्त कबीर सभागार में टॉक शो/कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस मौके पर महिला कल्याण विभाग की योजनाओं विशेष रूप से मिशन वात्सल एवम मिशन शक्ति के साथ साथ विभिन्न हेल्प लाइन नंबर 181,1090,112,1098 पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी अवनीश कुमार मिश्र ने घरेलू हिंसा अधिनियम,दहेज प्रतिषेध अधिनियम ,बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के विकास पर प्रकाश डाला। वही जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी जय नाथ गुप्ता ने इस समय चलाई जा रही छात्रवृति के बारे में विस्तार से जानकारी दिया।शिवाकांत शुक्ला विधि सह परिवीक्षा अधिकारी के ने पोस्को एक्ट,कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन निवारण अधिनियम आदि पर विस्तार से जानकारी दिया।सेमिनार में डॉ दिनेश सिंह विभागाध्यक्ष समाजकार्य , डॉ सैफाली प्रोफेसर भूगोल विभाग, डॉ शालिनी प्रोफेसर दर्शन शास्त्र,महिला शक्ति केन्द्र की जिला कॉर्डिनेटर निधि श्रीवास्तव,नीतू वन स्टॉप सेंटर से प्रतिभा पाण्डेय ,पूनम व अन्य छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

अयोध्यावासियों के लिए खुशखबरी, 30 दिसंबर को श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का होगा उद्घाटन

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। कृपया अपनी–अपनी सीट बेल्ट बांध लें। थोड़ी ही देर में हमारा विमान मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करने जा रहा है। यह पहली आवाज 30 दिसंबर को देश की राजधानी दिल्ली से अयोध्या आने वाली फ्लाइट में बैठे यात्रियों को आसमान में सुनाई पड़ेगी। इसके बाद छह जनवरी से नई दिल्ली के लिए कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएगी।हालांकि नियमित संचालन 10 जनवरी से ही होगा। टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। हफ्ते में तीन दिन गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के लिए भी अयोध्या एयरपोर्ट से फ्लाइट का संचालन होगा। उड़ान शुरू होने के बाद देश–विदेश से अयोध्या आने वाले लोगों सहुलियत मिल जाएगी।अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी को प्रस्तावित है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत मंत्रिमंडल के कई मंत्रियों के पहुंचने की भी संभावना है। इसके साथ ही देश–विदेश से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसके मद्देनजर रेल व सड़क मार्ग के साथ अब वायुमार्ग का कार्य भी लगभग पूरा कर लिया गया है।अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट के संचालन के लिए डीजीसीए से भी अनुमति मिल गई है। अब 30 दिसंबर को उद्घाटन के तौर पर नई दिल्ली से फ्लाइट उड़ान भरकर अयोध्या एयरपोर्ट पर लैंड करेगी। इंडिगो वेबसाइट के अनुसार इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट दिल्ली से सुबह दस बजे चलकर यहां 11 बजकर 20 मिनट पर पहुंचेगी। इसके बाद यहां एयरपोर्ट से शाम को उसी दिन 4 बजे फ्लाइट टेकऑफ करेगी, जो कि नॉन स्टॉप सवा पांच बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंड करेगी।

एसएसपी ने पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल

अयोध्या।एसएसपी राज करन नय्यर ने मवई थाने के कामाख्या धाम चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गोविंद अग्रवाल को लाइन हाजिर कर दिया है। वही कई पुलिस कर्मियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। उन्होंने थाना प्रभारी निरीक्षक रहे अशोक कुमार यादव को हटाकर उनकी जगह रैनाही थाना प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश राय को थाना तारुन का प्रभार सौंपा और पंकज सिंह को रैनाही थाने की कमान सौंपी।बताते चलें कि एसएसपी ने निरीक्षक पंकज सिंह को पुलिस लाइन से थाना प्रभारी रैनाही,नरीक्षक संजीव सिंह को थाना कुमारगंज से निरीक्षक अपराध कोतवाली अयोध्या,निरीक्षक मो अली अब्बास खां को पुलिस लाइन से प्रभारी आईजीआरएस सेल तैनात किया है।

मुख्यालय स्तर से चलाये गये अभियान में कृत कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री उ०प्र० के निर्देशन में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अपराध, अपराधियों एवं माफियाओ के विरूद्ध जीरो टॉलरेन्स नीति तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराध होने पर उसके शीघ्र अनावरण एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस हेतु उ०प्र० पुलिस द्वारा समय–समय पर विभिन्न अभियान चलाये जा रहे हैं।

गोवध एवं गोतस्करी के अपराधों में की गयी कार्यवाही:–

गोवध एवं गोतस्करी के अपराधों में प्रभावी नियन्त्रण हेतु वर्ष 2017 से अब तक पंजीकृत अभियोगों में संलिप्त अपराधियों का सत्यापन कराकर सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु दिनांक 27.10.2023 से 10.11.2023 तक 15 दिवसीय अभियान चलाया गया जिसकी सफलता को देखते हुए पुनः दिनांक 18.11.2023 से 28.11.2023 तक 10 दिवसीय अभियान चलाकर उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गयी। जिसके फलस्वरूप अपराधों में कमी आयी है।

गोवध में माह नवम्बर 2023 में नवम्बर 2022 की तुलना में 27: की कमी आयी है। गोवध में माह नवम्बर 2023 में सितम्बर 2023 की तुलना में 38: की कमी आयी है। गोवध में माह नवम्बर 2023 में अगस्त 2023 की तुलना में 40: की कमी आयी है।

गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में नवम्बर 2022 की तुलना में 10: की कमी आयी है। गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में सितम्बर 2023 की तुलना में 42: की कमी आयी है। गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में अगस्त 2023 की तुलना में 30: की कमी आयी है।

अभियान के सार्थक परिणाम प्राप्त हुये है। भविष्य में समय–समय पर अपराध नियत्रंण से सम्बन्धित अभियान चलाये जायेगें।

मुख्यालय स्तर से चलाये गये अभियान में कृत कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मुख्यमंत्री उ०प्र० के निर्देशन में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अपराध, अपराधियों एवं माफियाओ के विरूद्ध जीरो टॉलरेन्स नीति तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराध होने पर उसके शीघ्र अनावरण एवं गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस हेतु उ०प्र० पुलिस द्वारा समय–समय पर विभिन्न अभियान चलाये जा रहे हैं।

गोवध एवं गोतस्करी के अपराधों में की गयी कार्यवाही:–

गोवध एवं गोतस्करी के अपराधों में प्रभावी नियन्त्रण हेतु वर्ष 2017 से अब तक पंजीकृत अभियोगों में संलिप्त अपराधियों का सत्यापन कराकर सक्रिय अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु दिनांक 27.10.2023 से 10.11.2023 तक 15 दिवसीय अभियान चलाया गया जिसकी सफलता को देखते हुए पुनः दिनांक 18.11.2023 से 28.11.2023 तक 10 दिवसीय अभियान चलाकर उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की गयी। जिसके फलस्वरूप अपराधों में कमी आयी है। गोवध में माह नवम्बर 2023 में नवम्बर 2022 की तुलना में 27: की कमी आयी है। गोवध में माह नवम्बर 2023 में सितम्बर 2023 की तुलना में 38: की कमी आयी है। गोवध में माह नवम्बर 2023 में अगस्त 2023 की तुलना में 40: की कमी आयी है।

गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में नवम्बर 2022 की तुलना में 10: की कमी आयी है। गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में सितम्बर 2023 की तुलना में 42: की कमी आयी है। गो तस्करी में माह नवम्बर 2023 में अगस्त 2023 की तुलना में 30: की कमी आयी है। अभियान के सार्थक परिणाम प्राप्त हुये है। भविष्य में समय–समय पर अपराध नियत्रंण से सम्बन्धित अभियान चलाये जायेगें।

छात्र के निधन पर विश्वविद्यालय में हुई शोक सभा

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को फार्मेसी संस्थान के विद्यार्थी विवेक कुमार के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई. कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है.

उपकुलसचिव अमृतलाल ने विश्वविद्यालय शोक सन्देश पढ़ा. शोक सन्देश में विश्वविद्यालय ने विद्यार्थी के आकस्मिक निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की गई. दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया. इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी उमाशंकर, परीक्षा नियंत्रक बीएन सिंह, प्रो. बी. बी तिवारी, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ अमित कुमार वत्स, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नन्द किशोर सिंह, महामंत्री रमेश कुमार यादव, राजेश सिंह समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें.

ग्रामीणों व युवकों के बीच नोकझोंक,चार युवकों का चालान

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के पटरंगा थाना क्षेत्र के बुलबुलपुर मजरे सिठौली गांव में एक निर्माणाधीन धार्मिक स्थल के परिसर में क्रिकेट खेल रहे कुछ युवकों व ग्रामीणों के बीच मंगलवार की शाम नोकझोंक हो गई थी।ग्रामीणों का आरोप है कि युवकों द्वारा धार्मिक स्थल के चबूतरे को तोड़ा गया है।हालांकि मामला तूल पकड़ता उससे पहले ही सक्रिय हुए पटरंगा एसओ ओम प्रकाश ने दल–बल के साथ मौके पर पहुंच दो युवकों को हिरासत में लिए।दो अन्य युवकों को देर रात्रि तक गिरफ्तार किया गया।एसओ पटरंगा ओम प्रकाश ने बताया मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त फरहान असद ,खुर्शीद व जमशेद निवासी बुलबुलपुर थाना पटरंगा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए सभी का चालान शांतिभंग में किया गया है।

श्री राम जन्मभूमि मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के आमंत्रण पत्रों का प्रधान डाकघर से प्रेषण शुरू

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) श्री रामजन्मभूमि ट्रस्ट ने डाक विभाग के माध्यम से देश विदेश के साधू सन्तों को 22 जनवरी 2024 के प्राण प्रतिष्ठा हेतु आमंत्रण पत्र भेज रहा है जिसकी बुकिंग का कार्य डाक विभाग में जोरों से किया जा रहा है । प्रधान डाकघर में आमंत्रण पत्रों के बुकिंग कार्य का जायजा मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एच के यादव ने लिया इस दौरान श्री यादव ने बताया कि श्री रामजन्मभूमि ट्रस्ट से बी.एन.पी.एल के एग्रीमेंट के तहत आमंत्रण पत्र का बुकिंग कार्य किया जा रहा है श्री रामजन्मभूमि ट्रस्ट द्वारा अब तक देश विदेश के 3715 आमंत्रण पत्र डाक विभाग को बुकिंग के लिए उपलब्ध कराया गया हैं इसके अतिरिक्त नेपाल देश के 15 साधू सन्यासियों को आमंत्रण पत्र भेजा गया है । सभी पत्रों का बुकिंग कर दिया गया है पत्रों के शतप्रतिशत वितरण होने की मॉनिटरिंग भी किया जा रहा है जिसमे से लगभग 3000 से अधिक पत्रों का वितरण कर दिया गया है।

फिल्म ए टेलर मर्डर स्टोरी का मुहूर्त का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जानी फायर फॉक्स फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही बॉलीवुड मूवी । टेलर मर्डर स्टोरी की अधिकांश शूटिंग जौनपुर मे होगी आज फिल्म के मुहर्त के साथ जौनपुर के निजी होटल से शूटिंग की शुरुआत कर दी गयी है।

जयंत सिन्हा और भारत सिंह के निर्देशन मे बन रही इस फिल्म को उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अमित जानी प्रोडूस कर रहे है।

फिल्म मे ज्ञानवापी परिसर के विवाद से लेकर उदयपुर के कन्हैया लाल के हत्याकांड को फिल्माया जायेगा

फिल्म के मुहर्त और पूजन के दौरान फिल्म के प्रोडूसर ने बताया कि

फिल्म मे कैलाश खैर,

विजय राज, स्वेता तिवारी, गदर 2 मे मेजर मलिक के किरदार को निभाने वाले कलाकार रोहित चौधरी, एहसान खान,

दीप राज राणा, मनोज बक्शी, अखिलेन्द्र मिश्रा, पियूष वशिष्ठ सहित तमाम बॉलीवुड के कलाकार जौनपुर आकर शूटिंग का हिस्सा बनेगे।

जिसमे कन्हैया लाल साहू का किरदार निभाने वाले विजय राज मुहूर्त मे शामिल रहे।फिल्म निर्माता अमित जानी ने बताया कि जौनपुर एक ऐतिहासिक नगरी है इसीलिए इसको शूटिंग के लिए चुना गया। यह पहली फिल्म है जिसमे योगी आदित्यनाथ जी का किरदार देश को देखने को मिलेगा। अमित जानी ने बताया कन्हैया लाल साहू कि हत्या और सीमा हैदर के नोयडा आने के विषय पे उनकी दोनों फिल्मे ऑन फ्लोर है। हम सत्य आधारित घटनाओ पे फिल्म निर्माण के संकल्प के साथ काम कर रहे है हमारा मकसद फिल्मो के जरिये चेतना पैदा करना है। अमित जानी ने आगे बताया कि अगले सप्ताह बॉलीवुड के मशहूर सिंगर कैलाश खैर जौनपुर आएंगे और खुद का गया हुआ फिल्मी गीत का शूट करेंगे। अभिनेता विजय राज ने कहा कि जौनपुर मेरा पहली बार आना हुआ और यहाँ आकर मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है अतिथियों के आदर सत्कार का जो तरीका मैंने यहाँ देखा है वो अद्भुत है।

स्टडी हॉल कानपुर रोड ने पहला स्पोर्ट्स डे, रिद्धिमिक फीट 2023-2024 का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल कानपुर रोड ने रविवार 10 दिसंबर को अपना पहला खेल दिवस, रिदमिक फीट 2023– 2024 मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुरौनी के वर्तमान ग्राम प्रधान एवं प्रधान समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष यादव उपस्थित रहे ।

"शैक्षणिक शिक्षा जितनी आवश्यक है, खेल बच्चे के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। हमारे बच्चों और शिक्षकों ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।" स्टडी हॉल कानपुर रोड की प्रिंसिपल सुपर्णा चटर्जी ने कहा।

मुख्य अतिथि, संतोष यादव ने कहा, "हमें इस स्कूल और इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। माता–पिता और शिक्षक बच्चों का पालन–पोषण करने और उन्हें सफलता की राह पर ले जाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं यहां स्टडी हॉल में माता–पिता और शिक्षकों के बीच बंधन और विश्वास देख कर बेहद प्रसन्न हूँ।

डॉ. उर्वशी साहनी ने दर्शकों को संबोधित किया और कहा, स्टडी हॉल एक खुशहाल स्कूल है। हमारा उद्देश्य बच्चों को सिर्फ शिक्षा देना नहीं है बल्कि उनको आने वाली जिन्दगी के लिए तैयार करना है। आज हमारे बच्चों ने बहुत अच्छी प्रस्तुतियां दी। सभी अभिभावकों का दिल से आभार करना चाहती हूँ उनके समर्थन के लिए।

प्री–प्राइमरी दौड़, जंगल थीम से प्रेरित थी। दिन का मुख्य आकर्षण विभिन्न प्रकार की प्रतिभाओं का प्रदर्शन था। योग और क्लैप डांस से लेकर अफ्रीकी नृत्य ने दर्शकों मंत्रमुग्ध किया । इसके अतिरिक्त, छात्रों ने मनमोहक डम्बल ड्रिल का प्रदर्शन किया। सभी छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और भिभावकों समर्थन से यह आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम का समापन वोट ऑफ थैंक्स और राष्ट्रगान से हुआ।

शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया नया परिसर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी न्यू स्टैण्डर्ड कोचिंग इंस्टिट्यूट के नए कैंपस, (सप्रू मार्ग, हजरतगंज अपोजिट रिटज रेस्टोरेंट) का वैदिक पूजा के साथ प्री लॉन्च आज संपन्न हुआ स नीट व जे ई ई की तैयारी की दिशा में एक प्रभावशाली कदम के अंतर्गत एसकेडी न्यू स्टैंडर्ड कोचिंग इंस्टीट्यूट ने आज अपने नए परिसर का प्री लॉन्च किया, एक ऐसी सुविधा जो कोचिंग शिक्षा में उन्नत शिक्षण पद्धतियों और स्मार्ट प्रौद्योगिकी एकीकरण के प्रतीक के रूप में खड़ी है।

शिक्षा के भविष्य को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया नया परिसर, स्मार्ट उपकरणों और इंटरैक्टिव शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित अत्याधुनिक कक्षाओं का दावा करता है। इन सुविधाओं का उद्देश्य सीखने के अनुभव को बढ़ाना, इसे अधिक आकर्षक, कुशल और आज के डिजिटल–प्रेमी छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है।

एसकेडी न्यू स्टैंडर्ड कोचिंग इंस्टीट्यूट, जो नीट के क्षेत्र में शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है, ने इस विस्तार के साथ एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। संस्थान का दृष्टिकोण पारंपरिक शिक्षण विधियों को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ता है, यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को एक सर्वांगीण शिक्षा प्राप्त हो जो उन्हें आधुनिक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करे।

नए परिसर में अनुकूल सीखने के माहौल को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई कई सुविधाएं भी हैं।

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, संस्थान के चेयरमैन श्री एस के डी सिंह जी व निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने ज्ञापन देते हुए कहा कि नीट व अन्य प्रतियोगात्मक परीक्षाओं में छात्रों को बेहतर सुविधा मिलेगी उन्होंने कहा, ष्हमारा नया परिसर सिर्फ एक इमारत नहीं हैय यह हमारे छात्रों से एक वादा है कि हम पारंपरिक तरीकों के ज्ञान को आधुनिक प्रौद्योगिकी के नवाचारों के साथ जोड़कर सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करना जारी रखेंगे।ष अपनी परंपरा का निर्वाहन करते हुए इसी प्रकार समाज की सेवा करते रहेंगे।

सीएसआईआर-सीडीआरआई ने आईआईएसएफ २०२३ के उत्सव-पूर्व कार्यक्रम के रूप में सीतापुर, बाराबंकी और लखनऊ के स्कूलों में सार्वजनिक आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीएसआईआर–सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीडीआरआई) लखनऊ ने इस वर्ष के भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव पर एक व्यापक सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस वर्ष के भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव की थीमरू ''अमृत काल में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सार्वजनिक पहुँच (आउटरीच)'' है। आईआईएसएफ–2023 की प्रस्तावना के रूप में यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के तीन अलग–अलग जिलों के पांच स्कूलों में हुआ, जहां सीडीआरआई के वैज्ञानिकों की समर्पित टीमें छात्रों के साथ संवादात्मक एवं शैक्षणिक तरीके से जुड़ीं।

सीएसआईआर–सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने इस पहल के लिए अपनी खुशी एवं उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने पब्लिक आउटरीच के लिए वैज्ञानिकों की विभिन्न टीमों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया, जिन्होंने जिलों के पांच अलग–अलग स्कूलों का दौरा किया एवं विज्ञान को छात्रों के दिलों के करीब लाया।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) विज्ञान भारती के सहयोग से भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक पहल है। यह महोत्सव 17 से 20 जनवरी, 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होने वाला है। आईआईएसएफ का प्राथमिक लक्ष्य विज्ञान का जश्न ऐसे तरीके से मनाना है जो सभी के लिए सुलभ एवं आनंददायक हो जिससे वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देना एवं एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

प्रत्येक स्कूल मे वैज्ञानिकों की एक प्रतिष्ठित टीम गई जिसने छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने का कार्ये किया। पहला स्कूल पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, आईआईएम लखनऊ था, जहां टीम में डॉ. संजीव यादव, डॉ. दिव्या सिंह, इंजीनियर रणवीर सिंह, श्री शक्ति प्रकाश, सुश्री अनामिका एवं सुश्री श्रेया शामिल थे जिन्होने छात्रों एवं शिक्षकों के साथ बातचीत की। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सीआरपीएफ बिजनौर की टीम में डॉ. मृगांक श्रीवास्तव, डॉ. किंशुक के. श्रीवास्तव, डॉ. सी.पी. पांडे, श्री अशोक शामिल थे। बख्शी का तालाब शासकीय इंटर कॉलेज लखनऊ, बीकेटी, लखनऊ टीम के सदस्य डॉ. संजीव के शुक्ला, डॉ. रवि शंकर भट्टा, श्री विभेंदु, सुश्री अनुष्का, सुश्री मुस्कान, श्री मान सिंह शामिल थे। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, बाराबंकी में डॉ. विनीता त्रिपाठी, डॉ. शुभा शुक्ला, डॉ. ऋचा पांडे, पीटीओ श्री रवींद्र लोंढे, श्री नितिन तिवारी एवं दो रिसर्च स्कॉलर शामिल थे। वहीं पांचवी टीम पं. दीन दयाल उपाध्याय गवर्नमेंट मॉडर्न इंटर कॉलेज जैजोर सीतापुर पहुंची, जिस टीम में डॉ. अनिल गायकवाड़, डॉ. एसआर कुलकर्णी, डॉ. बैसाखी मोहराना, श्री नीलेश खेंडेलवाल, श्री अमरनाथ एवं श्री काजिम रजा शामिल थे।

अपने दौरे के दौरान, वैज्ञानिकों ने न केवल छात्रों को आगामी भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के बारे में जानकारी दी, बल्कि उन्हें रचनात्मक एवं नवीन तरीके से विज्ञान का पता लगाने और उससे जुड़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करना, रचनात्मकता को बढ़ावा देना एवं वैज्ञानिक साक्षरता को बढ़ावा देना था, साथ ही छात्रों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सीडीआरआई टीमों ने औषधि अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में संस्थान के काम के बारे में जानकारी साझा की, जिससे छात्रों को वैज्ञानिक अनुसंधान की रोमांचक दुनिया की एक झलक मिली। छात्रों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा का तत्व जोड़ा गया जिससे विज्ञान को सरल रूप मे समझा जा सकता है। क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

सीडीआरआई का आउटरीच कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसने युवा दिमाग पर एक अमिट छाप छोड़ी एवं अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अयोध्या में अपना नया शोरूम एलजी बेस्ट शॉप खोला

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) भारत की अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल कम्पनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अयोध्या में अपना नया बेस्ट शॉप– बावा एजेंसीज लांच किया। शहर का रिकाबगंज पर बेस्ट शॉप का उघ्द्घाटन दीपक अग्रवाल (बेसट शाप) और अशर इकबाल–रीजनल बिजनेज हेड आर. ओ. यू.पी. और श्री धर्मेंद्र सिंह–ब्रांच मनेजर के द्वारा किया।इस दौरान उन्होंने कहा की एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स हमेशा से उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार नए नए उत्पाद बाजार में लाता रहा है।एलजी बेस्ट शॉप उपभोक्ताओं को उत्तम और नयी तकनीक से युक्त उत्पादों का अनुभव कराएगा। एलजी बेस्ट शॉप का उद्देश्य न केवल उपभोक्ताओं को आकर्षित करना है बल्कि उनके मन में एलजी को एक उत्तम ब्रांड के रूप में स्थापित भी करना है। कंपनी के ओनर जसवीर सिंह ने बताया कि यहां पर सारी सुविधा ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाएगी। हमारी कंपनी के द्वारा ग्राहकों को बैठे–बैठे फाइनेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

पूर्ति निरीक्षक कार्यालय की मनमानी से जनता परेशान

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के बीकापुर में तहसील परिसर स्थित पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में आए दिन लोगों की भीड़ जमा होती देखी जा सकती है। पूर्ति निरीक्षक कार्यालय पर 10रू00 बजे से 12रू00 बजे तक का समय जनता से मिलने के लिए निर्धारित किया गया है ।लेकिन इन 2 घंटे के बीच में भी पूर्ति निरीक्षक उपलब्ध नहीं रहते हैं। यहां आने वाले फरियादी इधर–उधर भटककर मायूस घर लौट जाते हैं।जब पत्रकारों की टीम ब्यूरो प्रमुख मनोज तिवारी के साथ पड़ताल पर निकली तो लोगों की भीड़ दिखाई पड़ी। इस संबंध में पूर्ति निरीक्षक विनोद यादव से जानकारी की गई तो उन्होंने कहा कि मैं विकसित भारत संकल्प यात्रा में हूं कल मिलूंगा।इस संबंध में उपजिलाधिकारी विशाल कुमार से भी बात की गई तो उन्होंने कहा कि हमारे पास शिकायत होगी तो मैं जिला पूर्ति अधिकारी को भेज दूंगा। विदित हो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून लागू होने के बाद से प्रति यूनिट 2 किलो चावल एवं 3 किलो गेहूं जब से शुरू हुआ है तब से लोगों में राशन कार्ड बनवाने की दिलचस्पी बढ़ी है। हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ में अगले 5 वर्ष तक निशुल्क राशन उपलब्ध कराने के लिए घोषणा भी की गई है। उसके बाद से लोग अपने प्रत्येक सदस्य का नाम राशन कार्ड में बढ़ाना चाहते हैं। ताकि उन्हें अधिक से अधिक राशन मिल सके।

अवध विवि की एनईपी स्नातक की परीक्षाएं 18 दिसम्बर से

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के तहत संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की परीक्षाएं 18 दिसम्बर से तीन पालियों में शुरू होगी। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सात जनपदों में 464 परीक्षा केन्द्र बनाये गए। इस परीक्षा में लगभग 5 लाख 55 हजार परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। विवि के परीक्षा नियत्रंक उमानाथ ने बताया कि कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के आदेशानुसार एनईपी के अन्तर्गत संचालित स्नातक बीए, बीएससी व बीकॉम की परीक्षा 18 दिसम्बर से शुरू होकर 13 फरवरी तक चलेगी। परीक्षा की शुचिता के लिए 464 केन्द्र बनाये गए है। वहीं अयोध्या, बाराबंकी, अमेठी, अम्बेडकरनगर, गोण्डा, बहराइच, सुल्तानपुर में कुल 18 नोडल केन्द्र बनाये गए है। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षा सम्पन्न कराई जायेगी। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि स्नातक परीक्षा को पारदर्शितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्रों को यथा निर्देश प्रदान कर दिया गया है। प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 8 से 10 बजे तक, द्वितीय पाली की परीक्षा 11:30 से 1:30 बजे तक व तृतीय पाली की परीक्षा 3 से 5 बजे तक चलेगी।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष ने 42 वें रामायण मेले का किया उद्घाटन

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष एवं मणि राम दास छावनी के श्री महंत नृत्य गोपाल दास जी ने 42 वें रामायण मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महंत गिरीश पति त्रिपाठी (महापौर) रहे। रामायण मेले को वैश्विक मेला बनाने के दिशा में प्रयास किया जाएगा मंच संचालन समिति के कमलेश सिंह जी ने किया।उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से रामायण मेला समिति के महंत अवधेश कुमार दास महंत जन्मेजय शरण महंत अवधेश दास , महंत शशिकांत दास , महंत दामोदर दास जी एम बी दास डाक्टर जनार्दन उपाध्याय समिति के नंदकुमार में पेंडा महाराज श्री निवास शास्त्री जी शैलेंद्र मोहन मिश्र सुरेंदर सिंह, शरद चंद्र कपूर , डाक्टर दीपांकर समिति संयोजक आशीष मिश्रा आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।